वर्ष : 34 ➤ अंक :32 ➤ पृष्ठ : 8 ➤ मुंबई, बुधवार, 9 अप्रैल 2025 ➤ RNI: MAHHIN/49994/91 ➤ मूल्य : 3 रुपए ➤ epaper.dobajedopahar.com ➤ संपादक : अरुण लाल

जब लोग आपको छोड़कर चले जाएं, तो उन्हें जाने दीजिए। आपकी तक़दीर कभी भी उन लोगों से जुड़ी नहीं होती जो आपको छोड़ते हैं, और इसका मतलब यह नहीं है कि वे बुरे लोग हैं। इसका मतलब है कि उनका आपके जीवन में एक भूमिका थी जो अब समाप्त हो गई है।
- जूलिया रॉबर्ट्स

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

देशभर में लागू हुआ वक्फ संशोधन कानून

गृह मंत्रालय ने दी जानकारी

एजेंसी । नई दिल्ली

वक्फ संशोधन कानून मंगलवार से देशभर में लागू कर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। यह कानून 2 अप्रैल को लोकसभा, 3 अप्रैल को राज्यसभा से पारित होने के बाद 5 अप्रैल को राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ प्रभाव में आया।

मुर्शिदाबाद में प्रदर्शन हुआ हिंसक

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में मंगलवार शाम वक्फ कानून के विरोध में प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी। प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया, जिनमें पुलिस की गाड़ियां भी शामिल थीं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा विधायकों में हाथापाई हुई

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन नए वक्फ कानून पर हंगामा हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) के विधायकों ने सदन में बिल पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। इस दौरान NC और भाजपा विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 12 याचिकाएं

वक्फ संशोधन कानून को लेकर अब तक सुप्रीम कोर्ट में 12 याचिकाएं दाखिल की जा चुकी हैं। इस बीच, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने 11 अप्रैल से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

वक्फ पर आदेश पारित करने से पहले हमारा भी पक्ष सुने : केंद्र

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल किया। इसमें आग्रह किया कि वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर कोई भी आदेश पारित करने से पहले हमारा भी पक्ष सुना जाए। बता दें, 'कैविएट किसी पक्षकार द्वारा हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में यह सुनिश्चित करने के लिए दायर की जाती है कि इसे सुने बिना कोई आदेश पारित नहीं किया जाए। इस अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अब तक 10 से अधिक याचिकाएं दाखिल की गई है, जबकि मंगलवार को इस अधिनियम के समर्थन में एक याचिका दाखिल की गई। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जल्द सुनवाई की मांग पर विचार करने का भरोसा दिया था।

इन्होंने दायर की याचिकाएं

इस मुद्दे पर सबसे पहले, कंग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अब तक इस मुद्दे पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी और कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, आप विधायक अमानतुल्ला खान कानून के एक छात्र सहित कई अन्य लोगों ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की है।

9 लाख प्रवासियों को देश छोड़ने का आदेश

- डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एक ही झटके में 9 लाख प्रवासियों का परमिट किया कैंसिल
- अमेरिका में CBP One ऐप से आए प्रवासियों के परमिट रद्द

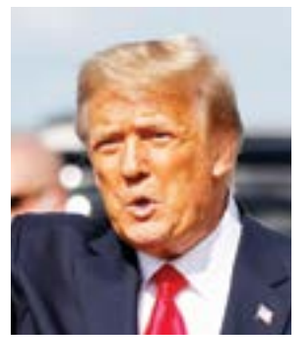

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में रह रहे करीब 9 लाख प्रवासियों को तगड़ा झटका दिया है। ये प्रवासी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के समय लाई गई CBP One ऐप नीति के जरिए अमेरिका आए थे। ट्रंप प्रशासन ने बाइडन की नीति को पलटते हुए इन प्रवासियों के अमेरिका में रहने के लीगल परमिट खत्म कर दिए हैं। अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (DHS) ने सोमवार को इस संबंध में जारी बयान में कहा है कि CBP One ऐप से आए प्रवासियों को तुरंत देश छोड़ना होगा।

जो बाइडन के समय में आए थे नौ लाख से ज्यादा प्रवासी

जनवरी 2023 के बाद से बाइडन प्रशासन के इस ऐप नीति के तहत 9 लाख से ज्यादा प्रवासी अमेरिका आए। उन्हें इस कार्यक्रम में दो साल के लिए अस्थायी तौर पर अमेरिका में रहने और काम करने की इजाजत मिलती है। DHS ने कहा है कि उसने इन परमिटों को रद्द कर दिया है। ऐसे में ये प्रवासी खुद ही अमेरिका छोड़कर चले जाएं। DHS का कहना है कि ये कदम सीमाओं को सुरक्षित रखने और देश की सुरक्षा बेहतर करने के लिए उठाया गया है।

प्रवासियों को भेजे जा रहे हैं मेल

एसोसिएटेड प्रेस ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ईमेल के जरिए लोगों से अमेरिका छोड़ने के लिए कहा जा रहा है। एक कानूनी सहायता समूह, अल ओट्रो लाडो ने बताया कि जिन लोगों को ये नोटिस मिले हैं, उनमें से ज्यादातर कुछ होंडुरास, अल सल्वाडोर और मेक्सिको से हैं। नोटिस मिलने के बाद इन लोगों में बैचेनी है। ये लोग अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता से घिर गए हैं।

अवैध प्रवासियों के खिलाफ ट्रंप का अभियान

डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल जनवरी में सत्ता संभालने के बाद से जिन नीतियों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया है, उनमें सबसे अहम दूसरे देशों के सामान पर टैरिफ बढ़ाना और अमेरिका से विदेशी लोगों को निकालना है। ट्रंप प्रशासन ने बाइडेन के समय की कई ऐसी नीतियों को बदल दिया है, जो अमेरिका में विदेशियों को मानवता जैसे मुद्दों पर शरण की बात कहती हैं। ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला से आए 5,32,000 प्रवासियों के अमेरिका में शरण के प्रोग्राम को भी 24 अप्रैल से खत्म करने का फैसला लिया है।

न्यूज़ ब्रीफ

ब्रह्मकुमारी प्रमुख दादी रत्नमोहिनी का निधन

जयपुर/अहमदाबाद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी का 101 वर्ष की उम्र में मंगलवार को निधन हो गया। उन्होंने अहमदाबाद के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार 10 अप्रैल को किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दादी रत्नमोहिनी ने अपनी शिक्षाओं और कार्यों से अनगिनत लोगों की सोच और जीवन को संवारा। वे ब्रह्माकुमारी संस्था का एक प्रकाश स्तंभ थीं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि इस संस्था ने उनकी अपनी जीवन यात्रा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर दादी रत्नमोहिनी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, "वह हमेशा ज्ञान, प्रकाश और करुणा की ज्योति के रूप में याद की जाएंगी। उनके जीवन की सरलता, सेवा और प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी।"

एक वर्ष में 87 बाल मजदूरों को बचाया गया

मुंबई। मुंबई पुलिस के विशेष बाल संरक्षण पुलिस सेल ने 2024 से अब तक बाल श्रम से जुड़े 40 मामले दर्ज किए हैं। इन अभियानों में 87 नाबालिग बच्चों को बचाया गया, जिनमें अधिकांश बच्चे उत्तर प्रदेश और बिहार से हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 2024 में 28 मामले दर्ज कर 61 बच्चों को छुड़ाया गया था, जबकि 2025 की शुरुआत से अब तक 12 मामले सामने आ चुके हैं और 26 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया है।

कल्याण-डोंबिवली मनपा को मिला नया आयुक्त

कल्याण। एक सप्ताह के इंतजार के बाद कल्याण-डोंबिवली नगर पालिका को नया आयुक्त मिल गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के अधिकारी अभिनव गोयल को मनपा का आयुक्त नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे हिंगोली जिले में जिला कलेक्टर के पद पर कार्यरत थे। सरकार द्वारा की गई इस नियुक्ति से शहरवासियों ने राहत की सांस ली है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा कल्याण-डोंबिवली मनपा में वरिष्ठ IAS अधिकारी की नियुक्ति को लेकर नागरिकों में संतोष देखा जा रहा है।

दिशा सालियान केस

वकील नीलेश ओझा पर की अवमानना कार्रवाई

मुंबई। दिशा सालियान की मौत से जुड़े मामले में बंबई उच्च न्यायालय ने बड़ा कदम उठाया है। अदालत ने इस केस में दिशा के पिता सतीश सालियान की पैरवी कर रहे वकील नीलेश ओझा के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए अवमानना की कार्यवाही शुरू की है। ओझा पर आरोप है कि उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अदालत के वर्तमान न्यायाधीश और एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ "निंदनीय और अपमानजनक" टिप्पणी की।

इंडिगो विमान में बम की धमकी

अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

इंडिगो के जयपुर-मुंबई विमान में बम की धमकी भरे मामले में मंगलवार को पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। जांच में पता चला कि यह धमकी महज एक अफवाह थी। दरअसल, सोमवार रात करीब 8.50 बजे 225 यात्रियों को लेकर विमान मुंबई में उतरा। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि शाम 7.05 बजे विमान के उड़ान भरने के करीब 20 मिनट बाद केबिन क्रू के एक सदस्य को शौचालय में एक नोट मिला। इसमें लिखा था, बम आपका इंतजार कर रहा है, यह मजाक नहीं है। विमान के मुंबई उतरने के बाद विमान को गहन जांच के लिए एक दूरस्थ स्थान पर ले जाया गया, लेकिन वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। फिलहाल, मामला दर्ज करने के बाद जांच जारी है।

ऑक्सीजन घोटाला

बीएमसी इंजीनियरों को क्लीन चिट

ईओडब्ल्यू को मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से इनकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कोरोना काल में करोड़ों रुपये के ऑक्सीजन आपूर्ति घोटाले में घिरे बीएमसी इंजीनियरों और अधिकारियों को फिलहाल बड़ी राहत मिली है। बीएमसी आयुक्त ने बॉम्बे हाई कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि इन अधिकारियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं हैं, इसलिए मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) को मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी गई है।

चार एफआईआर, अभियोजन को नहीं मिली हरी झंडी

बीएमसी की ओर से पेश वकील जो. एल. कार्लोस ने न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ को बताया कि ऑक्सीजन आपूर्ति घोटाले से जुड़े चार मामलों में कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं। अदालत ने बीएमसी की ओर से ईओडब्ल्यू को भेजे गए पत्र को रिकॉर्ड पर ले लिया है।

पहले ही दाखिल हो चुका है चार्जशीट

अतिरिक्त सरकारी वकील प्राजक्ता शिंदे ने पीठ को बताया कि इस मामले में अन्य आरोपियों के खिलाफ पहले ही आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। वहीं, बीएमसी इंजीनियरों को आरोपी बनाने के लिए पुलिस ने 19 अप्रैल 2024 को मंजूरी मांगी थी, जिसे बीएमसी आयुक्त ने अस्वीकार कर दिया।

59 ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना का हवाला

म्युनिसिपल इंजीनियर्स एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान वकील अनिल अंतुरकर ने कहा कि महामारी के दौरान मुंबई में ऑक्सीजन की भारी कमी के कारण 59 संयंत्र लगाए गए थे। इस बीच, पीठ ने याचिकाकर्ताओं को सलाह दी कि वे एफआईआर रद्द करने हेतु याचिका में संशोधन करें और उचित पीठ से संपर्क करें।

घोटाले के पीछे कई खरीद प्रक्रियाएं जांच के घेरे में

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कोरोना काल के दौरान हुए जंबो कोविड सेंटर्स, रेमडेसिविर इंजेक्शन, बॉडी बैग, और खिचड़ी वितरण से जुड़ी अनियमितताओं को उजागर किया था। नागपाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर में बीएमसी के अज्ञात कर्मचारियों का नाम है, जिसकी जांच ईओडब्ल्यू कर रही है।

फर्जी आधार-पैन कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश

- 6 आरोपी गिरफ्तार, 83 जाली दस्तावेज बरामद
- एटीएस ने की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस के एंटी टेररिज्म सेल (ATS) ने एक बड़े साइबर फ्रॉड रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी जाली आधार और पैन कार्ड बनाकर साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने मुंबई, बिहार और झारखंड से इनकी गिरफ्तारी की है।

हर तीन दिन में बदलते थे ठिकाना

पुलिस के अनुसार आरोपी छोटे लॉज में ठहरते थे और हर तीन दिन में लोकेशन बदलते थे ताकि पकड़ में न आएं। जिन नामों पर दस्तावेज बने थे, वे सभी फर्जी थे, लेकिन सभी पर उमेश की तस्वीर थी।

फोर्ट के हॉस्टल से शुरू हुआ खुलासा

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि फोर्ट स्थित एसबीएस रोड के शिप डॉरमेट्री हॉस्टल में कुछ लोग अवैध दस्तावेज बना रहे हैं। जब एटीएस ने छापा मारा, तो उन्हें एक ही व्यक्ति की तस्वीर के साथ कई अलग-अलग नामों के फर्जी दस्तावेज मिले। मुख्य आरोपी उमेश कुमार पासवान (33) ने पुलिस को बताया कि वह प्रिंट पोर्टल मोबाइल ऐप के जरिए दस्तावेजों को एडिट करता था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 83 जाली दस्तावेज, 10 मोबाइल फोन, कई डेबिट कार्ड, और बैंक ऑफ महाराष्ट्र की पासबुक बरामद की। उसके साथियों राहुल कुमार वर्मा और अमन कुमार को भी गिरफ्तार किया गया।

खाता खोलकर 25 हजार रुपए में करते थे सौदा

बाद में पुलिस ने मुकेश कुमार चंद्रवंशी और अनीश कुमार सिंह को भी गिरफ्तार किया, जिन्हें झांसा देकर इस रैकेट में शामिल किया गया था। आरोपी एक बैंक खाता 20-25 हजार रुपये में बेचते थे।

झारखंड से गिरफ्तार हुआ छठा आरोपी

पूछताछ में सामने आया कि मुकेश ने झारखंड के देवगढ़ में रहने वाले अब्दुल्ला अंसारी से संपर्क किया, जिसे पुलिस ने छठे आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार इस गिरोह से जुड़े दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं।

धोखाधड़ी और IT एक्ट के तहत मामला दर्ज

गिरफ्तार छहों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन पर धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक विश्वासघात के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (IT Act) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तृणमूल सांसदों के बीच कलह

- कल्याण बनर्जी, महुआ मोइत्रा और कीर्ति आजाद के बीच बहस और कहासुनी
- मामला पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी तक पहुंचा

एजेंसी । कोलकाता

बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की अंदरूनी कलह मंगलवार को सोशल मीडिया पर सामने आ गई। वायरल वीडियो में पार्टी सांसदों के बीच कथित कहासुनी को दिखाया गया है। इसके अलावा पार्टी सांसदों के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में हुई तीखी नोकझोंक का स्क्रीनशॉट भी साझा किया गया है।

विवाद का वीडियो और व्हाट्सएप चैट वायरल

भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने स्क्रीनशॉट साझा करते हुए दावा किया कि इस संवाद में तृणमूल सांसदों कल्याण बनर्जी और कीर्ति आजाद के बीच तीखी बहस नजर आ रही है। मालवीय के अनुसार, व्हाट्सएप पर नोकझोंक की शुरुआत निर्वाचन आयोग मुख्यालय में दो तृणमूल सांसदों के बीच हुई सार्वजनिक बहस से हुई थी।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

कल्याण अस्पताल में महिला की मौत पर हंगामा

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

शक्तिधाम प्रसूति अस्पताल में इलाज के दौरान एक 30 वर्षीय महिला की मौत के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया है। मृतका शांति देवी मौर्य के परिजनों ने कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका (केडीएमसी) के अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है और नगर निगम की स्वास्थ्य सेवाएं एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं।

परिवार ने नगर निगम की लापरवाही को ठहराया जिम्मेदार

पोस्टमार्टम रिपोर्ट तक अंतिम संस्कार से इनकार

राजनीतिक और सामाजिक संगठनों का प्रदर्शन

घटना के बाद शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के कार्यकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया। मृतका के परिजनों ने डॉक्टर पर केस दर्ज होने तक शव का अंतिम संस्कार न करने की चेतावनी दी है।

जांच के आदेश, दोषियों पर कार्रवाई की बात

केडीएमसी की मेडिकल स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपा शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और रिपोर्ट आने के बाद जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्थानीय विधायक सुलभा गायकवाड़ ने डॉक्टरों से जवाब मांगा है।

गर्भवती महिला को था पथरी का दर्द, ऑपरेशन से पहले बिगड़ी हालत

शांति देवी को पेट दर्द और पथरी की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में पता चला कि वह गर्भवती थी और परिवार नियोजन सर्जरी के लिए ऑपरेशन किया जाना था। सोमवार को जब उसे ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया, तब उसकी हालत और बिगड़ गई। परिजनों ने उसे दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। महिला के पति अखिलेश मौर्य ने बताया कि नगर निगम की आशा कार्यकर्ता के कहने पर ही उसकी पत्नी को भर्ती कराया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने लापरवाही दिखाई और समय रहते सही इलाज नहीं किया गया।

'एक्सक्यूज़ मी' बोलने पर विवाद

- महिला समेत चार लोगों की सरेआम पिटाई
- तीन पर केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

महाराष्ट्र के डोंबिवली पश्चिम के जूनी डोंबिवली इलाके में अंग्रेजी में "एक्सक्यूज़ मी" कहने पर विवाद खड़ा हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। घटना रविवार रात की है, जब एक महिला द्वारा अंग्रेजी शब्द कहने पर कुछ स्थानीय लोगों ने उसे मराठी में बात करने को कहा और उसे व उसके परिवारवालों को सरेआम पीट दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

पुलिस ने दर्ज किया असंज्ञेय अपराध

पूनम और आरोपी महिला की तरफ से विष्णुनगर थाने में अलग-अलग शिकायतें दर्ज की गईं। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ IPC की धारा 115(2), 352, 324(4) के तहत असंज्ञेय (NC) अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला और पति को बुरी तरह पीटा गया

पीड़िता पूनम अंकित गुप्ता, जो गणेश श्रद्धा बिल्डिंग में रहती हैं, अपनी सहेली के साथ रात 9:30 बजे घर लौट रही थीं। रास्ते में उन्होंने सड़क पर खड़े लोगों से "Excuse me" कहकर किनारे हटने का अनुरोध किया। इसी बात पर अनिल पवार, उनकी पत्नी व बाबासाहेब गोविंद ढ़बाले भड़क गए और पूनम और उनकी दोस्त की पिटाई कर दी।

प्रेमी जोड़े ने हथौड़े से कर दी कैब चालक की हत्या

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई में एक 19 वर्षीय युवती और उसके प्रेमी ने मिलकर एक कैब ड्राइवर की हत्या कर दी। आरोप है कि मृतक कैब ड्राइवर युवती को एक गुप्त वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर रहा था और यौन संबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। हत्या के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए। हालांकि, कुछ दिनों बाद दोनों ने महाराष्ट्र के संगमनेर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

कैब चालक पर आपत्तिजनक वीडियो बनाने का आरोप

चुपके से कैब चालक ने बनाया था वीडियो

मृतक की पहचान 43 वर्षीय सुरेंद्र पांडे के रूप में हुई है, जो नवी मुंबई के उल्वे में रहने वाली रिया सरकारनिसिंह का ड्राइवर था। रिया मूल रूप से पंजाब की रहने वाली है और हाल ही में नौकरी के सिलसिले में मुंबई आई थी। वहीं, उसकी मुलाकात अपने सहकर्मी 21 वर्षीय विशाल शिंदे से हुई। सुरेंद्र पांडे ने रिया को रहने के लिए घर में जगह दी थी। 2 अप्रैल को जब विशाल रिया से मिलने आया, तब कैब चालक पांडे ने दोनों का एक निजी वीडियो चोरी-छिपे रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद वह रिया को वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करने लगा और यौन संबंध बनाने की मांग करने लगा। ब्लैकमेलिंग की रिया ने यह बात विशाल को बताई, जिसके बाद दोनों ने पांडे का सामना किया। बहस के दौरान दोनों ने पांडे पर हथौड़े से हमला कर उसकी हत्या कर दी और वहां से भाग निकले।

परिजनों की सलाह पर किया आत्मसमर्पण

विशाल के माता-पिता ने दोनों को आत्मसमर्पण करने की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने 6 अप्रैल को संगमनेर पुलिस स्टेशन में सरेंडर कर दिया। संगमनेर पुलिस ने तुरंत नवी मुंबई पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस पांडे के घर पहुंची, तो वहां से उसका सड़ा-गला शव बरामद हुआ।

पुलिस हिरासत में आरोपी, जांच जारी

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर नवी मुंबई लाया गया है। फिलहाल वे 15 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में हैं और मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या पांडे के पास पहले से इस तरह के किसी और ब्लैकमेलिंग से जुड़े सबूत या रिकॉर्डिंग मौजूद थीं।

गेंद का पूरा पैसा मांगा तो दुकानदार का फोड़ा सिर

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

मध्यवर्ती पुलिस की हद में आने वाली राधाबाई पुलिस चौकी से महज कुछ कदम की दूरी पर एक दुकानदार पर जानलेवा हमला कर दिया गया। महज 10 रुपए की गेंद का पूरा पैसा मांगने पर आरोपी ने विवाद करते हुए दुकानदार के सिर पर कॉन्क्रीट का टुकड़ा दे मारा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना से क्षेत्र के व्यापारियों में भारी रोष है।

कॉन्क्रीट से किया सिर पर वार

विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी रोहित ने गालीगलौच करते हुए सड़क से उठाया हुआ कॉन्क्रीट का टुकड़ा अनिल के सिर पर मार दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। अनिल के पिता जयराम तोतानी जब बीच-बचाव करने आए, तो उन्हें भी लात-घूंसों से पीटकर घायल कर दिया गया।

पिता-पुत्र दोनों अस्पताल में भर्ती

हमले में अनिल और उनके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में अनिल तोतानी की शिकायत पर मध्यवर्ती पुलिस ने आरोपी रोहित भगवाने के खिलाफ मारपीट और हमले का मामला दर्ज कर लिया है।

10 रुपए की गेंद के लिए मच गया बवाल

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, राधाबाई चौक पर अनिल जयराम तोतानी का 'रामायण किरणा स्टोर' नामक जनरल स्टोर है। सोमवार सुबह करीब 11 बजे रोहित भगवाने नामक व्यक्ति दुकान पर गेंद खरीदने आया। जब दुकानदार ने गेंद की कीमत 10 रुपए बताई, तो उसने केवल 5 रुपए देने की कोशिश की। अनिल के मना करने पर विवाद शुरू हो गया।

11.58 करोड़ की ड्रग्स बरामद

- दो फ्लैटों में छिपा रखा था मादक पदार्थ

डीबीडी संवाददाता | वसई

वसई के वालीव क्षेत्र में स्थित महेश अपार्टमेंट के तीसरी और चौथी मंजिल पर पुलिस ने छापा मारकर दो फ्लैटों से भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त की है। पुलिस को ड्रग्स छिपाए जाने की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर सोमवार को कार्रवाई की गई। तलाशी के दौरान करीब 11 करोड़ 58 लाख रुपए मूल्य की ड्रग्स बरामद हुई।

नाइजीरियन नागरिक गिरफ्तार

इस कार्रवाई में एक नाइजीरियन नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है और पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि जब्त की गई ड्रग्स पालघर जिले में बिक्री के लिए रखी गई थी। मामले की छानबीन की जा रही है।

अंबरनाथ शहर के लिए 20 करोड़ रुपए की निधि स्वीकृत

डीबीडी संवाददाता | अंबरनाथ

अंबरनाथ शहर को 20 करोड़ 51 लाख रुपए की निधि स्वीकृत हुई है। इस निधि से शहर में पार्कों का जीर्णोद्धार, सड़कों का कंक्रीटीकरण, पुस्तकालय निर्माण और संयुक्त अग्निशमन केंद्र जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी की जाएंगी। महाराष्ट्र स्वर्ण जयंती शहरी पुनर्विकास अभियान के तहत यह निधि राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं पालकमंत्री एकनाथ शिंदे की स्वीकृति से मंजूर हुई है। इस योजना के अंतर्गत अंबरनाथ पूर्व और पश्चिम के चार प्रमुख पार्कों के विकास के लिए करोड़ों की राशि मंजूर की गई है।

पार्कों को मिलेगा नया रूप

- अंबरनाथ पूर्व के साईखंड क्षेत्र स्थित पार्क के लिए 3.71 करोड़
- शंकर हाइट्स (अंबरनाथ पश्चिम) के पार्क के लिए 3.74 करोड़
- मधु मंगेश कर्णिक पार्क में पुस्तकालय निर्माण हेतु 1.23 करोड़
- सर्वोदयनगर (पश्चिम) में पार्क के लिए 1.72 करोड़

सड़क और अग्निशमन केंद्र को भी मिलेगा लाभ

वाधवा कॉम्प्लेक्स से नाना पाटिल चौक तक की व्यस्त सड़क के कंक्रीटीकरण हेतु 2.99 करोड़ की निधि मंजूर की गई है। साथ ही, अंबरनाथ और कुलगांव-बदलापुर नगरपालिकाओं के लिए एक संयुक्त अग्निशमन केंद्र, 70 एएलपी वाहनों के लिए केंद्र और आवास निर्माण हेतु 2.72 करोड़ की स्वीकृति दी गई है।जंभिवलीगांव और जम्भिवलीपाड़ा में हिंदू श्मशान घाटों के सौंदर्यीकरण और सुधार कार्य के लिए 1.42 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं।

भिवंडी मनपा बनी पेंशन योजना लागू करने वाली राज्य की पहली निगम

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

केंद्र और राज्य सरकार के निर्देशानुसार 1 नवंबर 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए अंशदान योजना के स्थान पर संशोधित राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) लागू की गई है। राज्य में मनपा कर्मचारियों के लिए यह योजना लागू करने के निर्णय के बाद, भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका इसे लागू करने वाली महाराष्ट्र की पहली मनपा बन गई है। इसी क्रम में मनपा प्रशासन ने अपने प्राथमिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए भी इस योजना को लागू करने का निर्णय लिया है। भिवंडी मनपा में कार्यरत 734 प्राथमिक शिक्षकों में से 485 के लिए प्रान (PRAN) कार्ड का ऑनलाइन पंजीकरण आज अतिरिक्त आयुक्त देवीदास पवार के हाथों किया गया। इस मौके पर अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, मनपा के वरिष्ठ नियंत्रण अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रमुख और शिक्षक संघ समन्वय समिति के सदस्य उपस्थित रहे। समिति के माध्यम से सभी संबंधित अधिकारियों का आभार भी व्यक्त किया गया।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

पाणी पुरवठा विभाग

जाहिर सर्व साधारण निविदा सुचना क्र. ०२, सन २०२५-२६.

उल्हासनगर महानगरपालिका खालील नमूद कामांकरीता योग्य त्या वर्गात नोंदणीकृत ठेकेदारांकडून जाहिर सर्व साधारण निविदा बी १ नमून्यात मागवीत आहे.

अ. क्र.	कामाचे नाव	अंदाजपत्रकीय रक्कम	अनामत रक्कम	कोऱ्या निविदा प्रतिची किंमत (१८% GST सह)	कामाची कालावधी
१	उल्हासनगर ३ मधील पॅ.क्र. ४ येथील सी. ब्लॉक रोड, गुरुद्वारा समोर व परिसरात जीर्ण जलवाहिनी दुरुस्त करुन १५० मी.मी. व्यासाची डी. आय व ८० मी.मी. व्यासाची जी.आय जलवाहिनी बसविणे,	रु. ४,५७,१४५/-	रु. ४,५७१/-	रु. ५९०/-	३० दिवस
२	उल्हासनदीतील म.ओ.वि. महामंडळाच्या जॅकवेलच्या सभोवताली नदीतील भागात तरंगती पानवनस्पती व डेब्रिज काढणे.	रु. ८,४०,३०८/-	रु. ८,४०३/-	रु. ५९०/-	३० दिवस
३	उल्हासनगर १ व ३ मधील राजेश्वरी मेडीकल जवळ, दिनेश अपार्टमेंट समोर, ए-ब्लॉक रोड, नामदेववाडी, सिध्दी विनायक नगर, संजय गांधीनगर, भवानी माता मंदिर, शहाड ब्रिज जवळ, व परिसरात जीर्ण जलवाहिनी बदलुन २५० मी.मी. व्यासाची डी.आय व ५०/८०/१०० मी.मी. व्यासाची नवीन जी.आय जलवाहिनी बसविणे,	रु. २,५४,२१३/-	रु. २,५४२/-	रु. ५९०/-	३० दिवस
४	उल्हासनगर ५ न्यु इंग्लीश शाळे पासुन ते नेताजी कॉलेज येथील परिसरात जे. एन. एन. यु. आर. एम. झोन कार्यान्वित करण्याकरीता, जलवाहिनी स्थलांतरीत करणेकरीता १००, २००, २५० मि. मी. व्यासाची डी. आय. के. ७ जलवाहिनी टाकणे.	रु. ५,८७,८१०/-	रु. ५,८७८/-	रु. ५९०/-	३० दिवस
५	उल्हासनगर ४ मधील छत्रपती शाहू महाराज उड्डाणपुल ते त्रिमुर्ती ऑटो पार्टस येथील स्टेशन रोड परिसर येथे जुनी जीर्ण जलवाहिनी बदलुन १०० मी.मी. व्यासाची नविन जलवाहिनी टाकणे,	रु. २,५०,९५८/-	रु. २,५१०/-	रु. ५९०/-	३० दिवस
६	उल्हासनगर ४ वाको कंपाऊंड ते व्हिनस चौक पर्वत एम.एम.आर.डी.ए. कडुन सिमेंट कॉक्रीट रस्ता होत असल्याने जलवाहिन्या स्थलांतरीत करणे.	रु. ८,४५,९६०/-	रु. ८,४६०/-	रु. ५९०/-	३० दिवस
७	उल्हासनगर ३ ए ब्लॉक ते शांतीनगर साईबाबा मंदिर पर्यंत एम.एम.आर.डी.ए. कडुन सिमेंट कॉक्रीट रस्ता होत असल्याने जलवाहिन्या स्थलांतरीत करणे बाबत.	रु. ८,४५,५९२/-	रु. ८,४५६/-	रु. ५९०/-	३० दिवस
८	उल्हासनगर ३ शामा प्रसाद मुखर्जी चौक ते शांतीनगर पर्वत एम.एम.आर.डी.ए. कडुन सिमेंट कॉक्रीट रस्ता होत असल्याने जलवाहिन्या स्थलांतरीत करणे.	रु. ८,४७,२५६/-	रु. ८,४७३/-	रु. ५९०/-	३० दिवस
९	उल्हासनगर ३ मधील डबी हॉटेल ते १८ सेक्शन, रोटरी गार्डन व परिसरात १०० व १५० मी.मी. व्यासाची डी.आय. व ८०/१०० मी. मी. व्यासाची जी. आय. जलवाहिनी स्थलांतरीत करुन बसविणे.	रु. ४,३५,२०७/-	रु. ४,३५२/-	रु. ५९०/-	३० दिवस

अटी व शर्ती :-

१) या कामी निविदा प्रपत्र रोख रक्कम भरणा करून दिनांक ०९/०४/२०२५ पासून दिनांक २२/०४/२०२५ पर्यंत दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत उपलब्ध होतील.
२) सीलबंद निविदा दिनांक २३/०४/२०२५ रोजी दुपारी ०३.०० वाजेपर्यंत उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या पाणी पुरवठा विभागात स्वीकारण्यात येतील,
३) मुदतीत प्राप्त झालेल्या निविदा दिनांक २४/०४/२०२५ रोजी दु. ०३.०० नंतर शक्य झाल्यास अथवा इतर सोयीच्या दिवशी उपस्थित निविदाधारक किंवा त्यांचे प्रतिनिधी समक्ष उघडण्यात येतील.
४) अटी व शर्ती युक्त निविदाचा विचार केला जाणार नाही.
५) कामांची देयके निधी उपलब्धतेनुसार अदा करण्यात येतील.
६) प्रत्यक्ष कामांची ठिकाणे पाहून निविदा भराव्यात.
७) प्राप्त निविदेतील १ अथवा सर्व निविदा कोणतेही कारण न देता मंजूर अथवा नामंजूर करण्याचा हक्क उल्हासनगर महानगरपालिकेने राखून ठेवला आहे.
८) २% सुरक्षा अनामत रक्कम देयकातून वजा करण्यात येईल
९) सदरच्या अंदाजपत्रकीय रक्कमेमध्ये GST पकडण्यात आलेली नाही.
१०) देयकास लागणारी GST रक्कम स्वतंत्रपणे देण्यात येईल.
११) निविदा अंतिमतः स्विकारणे / नाकारणेचे अधिकार मा. आयुक्तांचे राहतील.

जा.क्र. उमपा / पीआरओ/२१/२०२५
दि:-०८/०४/२०२५

सही/-
(किशोर गवस)
अतिरिक्त आयुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

मुंब्रा में 10 वर्षीय बच्ची की संदिग्ध हालात में मौत

- बेसमेंट से अर्धनग्न शव बरामद, 20 वर्षीय युवक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे जिले के मुंब्रा क्षेत्र में एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। ठाकुरपाड़ा इलाके की श्रद्धा प्रति बिल्डिंग के बेसमेंट से 10 वर्षीय नाबालिग बच्ची का अर्धनग्न शव बरामद हुआ है। इस मामले में पुलिस ने 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। ठाणे जिला आपातकालीन विभाग के प्रमुख यासीन तडवी के अनुसार, सोमवार देर रात श्रद्धा प्रति बिल्डिंग के निवासी इरफान ने बेसमेंट में शव पड़ा होने की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी।

छठी मंजिल के फ्लैट में ले गया था आरोपी

पुलिस जांच में सामने आया है कि बच्ची ठाकुरपाड़ा इलाके की ही रहने वाली थी और आरोपी युवक उसे बहला-फुसलाकर बिल्डिंग की छठवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में ले गया था। छानबीन के दौरान पुलिस को फ्लैट के बाथरूम की खिड़की खुली मिली, जिससे संदेह और गहराया। पुलिस ने मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की छानबीन जारी है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

दिंडोशी विद्यार्थी तालुका अध्यक्ष पद पर ज्ञान मिश्रा की नियुक्ति

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आगामी बीएमसी चुनाव को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) ने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में पार्टी ने दिंडोशी तालुका विद्यार्थी अध्यक्ष पद पर ज्ञान मिश्रा की नियुक्ति की है। मुंबई स्थित राष्ट्रवादी कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में बी.एससी प्रथम वर्ष के छात्र ज्ञान कुमार मिश्रा, जो डायबेटिक और न्यूट्रीशन की पढ़ाई कर रहे हैं, को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी विद्यार्थी कांग्रेस के मुंबई अध्यक्ष विभु घुगे समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। उपस्थित सभी नेताओं ने मिश्रा को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को सक्रिय और सशक्त बनाने की अपेक्षा जताई।

आपदा पीड़ितों को जल्द मुआवजा देने की मांग

- सांसद बाल्या मामा ने ठाणे जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

4 अप्रैल को भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के कई तालुकाओं—भिवंडी, वाडा, शाहपुर, मुरबाड और कल्याण—में आई अचानक आंधी-तूफान और बेमौसम बारिश ने किसानों और आम नागरिकों को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस आपदा के कारण घर, फसल और संपत्तियाँ बर्बाद हो गई हैं, जिससे

नागरिक संकट में हैं। इस संबंध में भिवंडी के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने ठाणे जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए प्रभावितों के लिए जल्द पंचनामा और आर्थिक सहायता की मांग की है। सांसद बाल्या मामा ने जानकारी दी कि उन्होंने स्वयं शाहपुर तालुका के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और तहसीलदारों से संपर्क कर तत्काल सहायता के निर्देश दिए।

बुजुर्ग से 3.56 करोड़ की ठगी, आठ आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | पालघर

पालघर जिले में ठगी के एक बड़े मामले में बोईसर पुलिस और सायबर सेल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने बोईसर इलाके के एक बुजुर्ग से 3.56 करोड़ रुपए की ठगी की थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से 22 लाख रुपए नकद भी जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, सैफ अंसारी, फैज अंसारी, झोएब अंसारी और गुणवंत मते को नागपुर से गिरफ्तार किया गया। वहीं, झकरीया झोया, शोएब शहा और रिज़वान मलिक को गुजरात के अंकलेश्वर से पकड़ा गया। बाबर

सिराज खान को बिहार के औरंगाबाद से गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों को 11 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पालघर के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील ने इस मामले में अंतरराष्ट्रीय लिंक की भी जांच के आदेश दिए हैं। फिलहाल ठगी के पूरे नेटवर्क और धन के लेन-देन के तरीकों की गहराई से जांच की जा रही है।

शिवसेना विधायक व मुंबई पुलिस को हाईकोर्ट का नोटिस

- 16 अप्रैल को कुणाल कामरा की याचिका पर होगी सुनवाई
- कुणाल कामरा ने कहा- हम जांच में सहयोग करने को तैयार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को कॉमेडियन कुणाल कामरा की याचिका पर मुंबई पुलिस और शिवसेना विधायक मुरजी पटेल को नोटिस जारी किया। याचिका में कामरा ने महराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के खिलाफ की गई अपनी अपमानजनक टिप्पणी के मामले में दर्ज एफआईआर को चुनौती दी है।

जस्टिस सरंग कोटवाल और एसएम मोडक की एक डिवीजन बेंच ने कहा कि वह 16 अप्रैल को कामरा की याचिका सुनेंगे। हालांकि तीन समन के बावजूद कुणाल कामरा अभी तक पुलिस के सामने पेश नहीं हुए हैं।

शिवसेना विधायक की शिकायत पर दर्ज हुआ था केस

शिवसेना विधायक मुरजी पटेल की शिकायत के बाद खार पुलिस ने कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। हाई कोर्ट ने कहा कि उत्तरदाताओं (पुलिस और पटेल) को नोटिस जारी करें। वे निर्देश लेंगे और याचिका का जवाब देंगे। इसके अलावा नासिक ग्रामीण, जलगांव और नासिक में कॉमेडियन के खिलाफ दर्ज 3 एफआईआर को भी खार पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश होने का दिया प्रस्ताव

कामरा के वकील नवरोज सेरवई ने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय ने कामरा को मिली अंतरिम ट्रांजिट अग्रिम जमानत को 17 अप्रैल तक बढ़ा दिया है। कोर्ट को यह भी बताया गया कि सुरक्षा कारणों से पुलिस को तीन बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने के बारे में लिखा जा चुका है। मगर अनुमति नहीं मिली। वकील ने कहा कि ऐसा लगता है कि पुलिस अधिकारी बयान को रिकॉर्ड करने को उत्सुक नहीं हैं। उनका जोर शारीरिक रूप से यहां लाने पर है।

जांच में सहयोग करने को तैयार

कुणाल कामरा मौजूदा समय में तमिलनाडु में हैं। उनके वकील ने कहा कि यह हत्या का मामला नहीं है। कामरा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जांच में सहयोग करने को तैयार हैं। हाई कोर्ट की पीठ ने कहा कि 16 अप्रैल को सभी मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

कोर्ट से लगाई सुरक्षा की गुहार

5 अप्रैल को दाखिल अपनी याचिका में कामरा ने अपने खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन बताया। उन्होंने एफआईआर रद करने की मांग की। इसके अलावा हाई कोर्ट से गिरफ्तारी, व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जब्ती, वित्तीय लेनदेन और खातों की जांच के संबंध में सुरक्षा की गुहार लगाई।

विधायक निवास में हार्ट अटैक से एक की मौत

मुंबई। मुंबई के मंत्रालय के पीछे स्थित विधायक निवास में सोमवार रात चंद्रकांत धोत्रे (पिताः विजय धोत्रे) की सीने में दर्द की शिकायत के बाद मौत हो गई। वह विधायक विजय देशमुख के लिए आवंटित कमरे में ठहरे हुए थे।

धोत्रे को रात में अचानक सीने में तेज दर्द हुआ, जिसके बाद कमरे में मौजूद अन्य कार्यकर्ताओं ने उन्हें जीटी अस्पताल ले जाने का प्रयास किया। परंतु एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच सकी, जिससे रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। जीटी अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने धोत्रे को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए सोलापुर स्थित मूल गांव ले जाया गया। मृतक के बेटे विजय धोत्रे ने कहा कि बार-बार फोन करने के बावजूद एंबुलेंस नहीं पहुंची, जिससे उनका समय पर इलाज नहीं हो सका।

झुग्गी पुनर्वास को मिलेगी रफ्तार

स्लम मुक्त महाराष्ट्र योजना के लिए अधिनियम में संशोधन को कैबिनेट की मंजूरी

दीपक पवार । मुंबई

महाराष्ट्र को झुग्गी मुक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 'महाराष्ट्र स्लम क्षेत्र (सुधार, उन्मूलन और पुनर्वास) अधिनियम, 1971' में महत्वपूर्ण संशोधन को मंजूरी दे दी है। सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई।

सरकारी एजेंसियों को 30 दिन में पट्टा मिलेगा

यदि झुग्गी पुनर्वास योजना सरकार, अर्ध-सरकारी संस्थानों या स्थानीय निकायों के साथ मिलकर क्रियान्वित की जा रही है, तो योजना के लिए 'आशय पत्र' जारी होने के 30 दिनों के भीतर संबंधित भूमि 30 वर्ष की लीज पर उपलब्ध कराई जाएगी। इसका उद्देश्य वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्ति में सुविधा देना है। यह प्रावधान धारा 15-ए के अंतर्गत जोड़ा जाएगा।

60 दिन में देना होगा पुनर्वास प्रस्ताव

संशोधित प्रावधानों के तहत अब किसी झुग्गी बस्ती को अधिकृत रूप से घोषित किए जाने के बाद अधिकतम 60 दिनों के भीतर पुनर्वास प्रस्ताव प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। पहले यह समयसीमा 120 दिन थी। तय समय में प्रस्ताव नहीं आने की स्थिति में संबंधित भूमि को पुनर्विकास के लिए अन्य अधिकृत प्राधिकरण को सौंपा जा सकेगा। यह संशोधन धारा 15(1) के तहत किया गया है।

किराया बकाया वसूली के लिए नया प्रावधान

अक्सर देखा गया है कि पुनर्विकास कार्य के दौरान झुग्गीवासियों को किराया देने में डेवलपर लापरवाही बरतते हैं। इसे देखते हुए अधिनियम में एक नई धारा 33-बी जोड़ी जाएगी, जिसके तहत ट्रांजिट कैंप का किराया या अन्य बकाया डेवलपर्स से राजस्व अधिनियम के अनुसार वसूला जा सकेगा।

स्वेच्छा से भाग न लेने वालों पर भी बनेगी नीति

धारा 33-ए में संशोधन कर झुग्गी पुनर्वास योजनाओं में स्वेच्छा से भाग न लेने वाले झुग्गीवासियों के लिए व्यवहार की प्रक्रिया को और स्पष्ट किया जाएगा। इससे योजनाओं में अड़चनें कम होंगी और पुनर्विकास में तेजी आएगी।

मुंबई बनी सबसे भूलक्कड़ शहर!

गोल्ड बिस्किट से लेकर वेडिंग साड़ी तक, सबसे ज्यादा चीजें भूलते हैं मुंबईकर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उबर की लॉस्ट एंड फाउंड इंडेक्स की 9वीं रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि मुंबई अब देश की सबसे भूलक्कड़ शहर बन गई है। पिछले दो सालों से ये टाइटल दिल्ली के नाम था, लेकिन इस बार मुंबई वालों ने आगे निकल गए हैं। यानी अब सबसे ज्यादा चीजें अगर कोई उबर कैब में भूलता है, तो वो मुंबई के लोग हैं।

कौन-कौन से शहर हैं टॉप 5 में?

उबर की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई पहले नंबर पर, दिल्ली दूसरे, और पुणे तीसरे नंबर पर है। पुणे ने दो पायदान की छलांग लगाते हुए बंगलूरू को पीछे छोड़ा जो अब चौथे नंबर पर है। कोलकाता इस बार पहली बार टॉप 5 में शामिल हुआ है, यानी भूलने की इस रेस में अब रसिटी ऑफ जॉयश भी शामिल हो चुका है।

क्या-क्या छूट जाता है कैब में?

इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लोग कैब में कौन-कौन सी चीजें भूल जाते हैं। यकीन मानिए, 25 किलो देशी घी का डिब्बा, शादी की साड़ी, गोल्ड बिस्किट, और यहां तक कि बालों का विग तक कैब में छूट चुका है। ये सुनकर मन में यही सवाल आता है, आखिर कैब में लोग क्या कर रहे थे? इसके अलावा, रोजमर्रा की चीजें जैसे मोबाइल फोन, ईयरफोन, बैकपैक और पासपोर्ट भी आमतौर पर छूटते हैं। मोबाइल ब्रांड की बात करें तो सैमसंग सबसे ज्यादा छूटने वाला फोन है, उसके बाद एपल और फिर वनप्लस का नंबर आता है।

कब सबसे ज्यादा चीजें छूटती हैं?

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि वीकेंड यानी शुक्रवार शाम से लेकर रविवार तक के दिन सबसे ज्यादा भूलने वाले होते हैं। खासकर शाम के 6 बजे से 8 बजे के बीच लोग सबसे ज्यादा चीजें भूल जाते हैं। त्योहारों के समय में भी यह भूलने का ट्रेंड और तेज हो जाता है। शायद मस्ती और सेलिब्रेशन में लोग ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते।

पूर्व क्रिकेटर केदार जाधव ने शुरू की सियासी पारी

- बावनकुले की मौजूदगी में थामा बीजेपी का दामन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने नई पारी की शुरुआत की है। अब केदार जाधव खुद को राजनीति में मैदान में उतर रहे हैं। 40 साल के केदार जाधव ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मुंबई के नरीमन प्वॉइंट स्थित भाजपा मुख्यालय में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण मौजूद रहे। केदार जाधव महाराष्ट्र की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। वह आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे हैं।

छत्रपति शिवाजी को किया नमन

कार्यक्रम के दौरान केदार जाधव ने कहा कि मैं छत्रपति शिवाजी को नमन करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा विकास की राजनीति कर रही है। उन्होंने आगे कहाकि बावनकुले के नेतृत्व में भाजपा ज्वॉइन कर रहा हूं। इस मौके पर बावनकुले ने कहाकि हम सभी के लिए यह काफी खुशी का दिन है। केदार जाधव ने जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी है। मैं घर में उनका स्वागत करता हूं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आगे बताया कि केदार जाधव के अतिरिक्त हिंगोली और नांदेड़ से कुछ अन्य लोगों ने भी हमारी पार्टी को ज्वॉइन की।

बावनकुले ने किया स्वागत

बावनकुले ने कहाकि केदार जाधव एक बेहतरीन इंसान और अच्छे क्रिकेटर हैं। वह यहां पर मोदी जी और विकसित भारत के लिए आए हैं। उनके काफी फैन्स हैं और उनके जैसे लोग हमारी पार्टी को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहाकि हम उन्हें धन्यवाद देते हैं। वह एक नेशनल आइकॉन हैं। उन्होंने हमसे कहा है कि वह युवाओं को प्रेरित करेंगे। केदार जाधव का जन्म 26 मार्च 1985 में महाराष्ट्र के पुणे में हुआ है। वह मिडिल ऑर्डर के शानदार बल्लेबाज रहे हैं। केदार ने भारत के लिए अपना वनडे डेब्यू श्रीलंका के खिलाफ 2014 में किया। उन्होंने भारत के लिए 73 वनडे में 1389 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 42 .09 का रहा है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग : मुख्य अभियंता (यांत्रिक एवं विद्युत)

संख्या.E.E.Mech.(S)/166/M & E दिनांक 08 अप्रैल 2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त पात्र बोलीदाताओं से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। निविदा अनुभाग और महाटेंडर पोर्टल के अंतर्गत बीएमसी की वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना में बोली आरंभ तिथि और समय तथा बोली समाप्ति तिथि और समय निर्दिष्ट किया गया है।

क्र		कार्य का नाम
1.	2025_MCGM_1168538_1	एफ-नॉर्थ वार्ड में गोवारी हिंदू कब्रिस्तान में वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली के हुड और संबद्ध सहायक उपकरणों के प्रतिस्थापन का कार्य।

इच्छुक निविदाकर्ता निविदा के बारे में अधिक जानकारी के लिए बीएमसी की वेबसाइट **http://portal.mcgm.gov.in** और महाटेंडर पोर्टल की वेबसाइट http://mahatenders.gov.in पर जा सकते हैं।

पीआरओ/76/विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
कार्यकारी इंजीनियर मेक (दक्षिण)

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

सुशांत सिंह मौत मामला

क्लोजर रिपोर्ट की सुनवाई विशेष अदालत में होगी

- मुंबई की अदालत ने सीबीआई के आवेदन को दी मंजूरी

मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में सीबीआई द्वारा दाखिल क्लोजर रिपोर्ट की सुनवाई अब विशेष अदालत में होगी। मुंबई की एक अदालत ने मंगलवार को यह अनुमति दी, जिससे यह मामला अब सीबीआई मामलों के लिए नामित एस्प्लेनेड मजिस्ट्रेट अदालत में सुना जाएगा। सीबीआई ने पिछले महीने बांद्रा मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि एम्स के फोरेंसिक विशेषज्ञों ने जांच में 'जहर देने और गला घोंटने' की संभावनाओं को खारिज कर दिया है।

14 जून 2020 को मिला था सुशांत का शव

गौरतलब है कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का शव 14 जून 2020 को उनके बांद्रा स्थित अपार्टमेंट में फंदे से लटका मिला था। उनकी मौत को लेकर कई अटकलें और जांचें हुईं, जिनमें सीबीआई की जांच प्रमुख रही।

इस केस में बिहार पुलिस ने शुरुआत में एफआईआर दर्ज की थी, जब सुशांत के पिता के के सिंह ने पटना में आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया था। इसके बाद मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपा गया।

2029 के बाद भी प्रधानमंत्री बने रहेंगे मोदी : सीएम फडणवीस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2029 के बाद भी देश का नेतृत्व करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी के उत्तराधिकारी पर चर्चा करना फिलहाल गैरज़रूरी है।

संजय राउत के बयान पर दिया जवाब

फडणवीस का यह बयान शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की उस टिप्पणी के जवाब में आया है जिसमें राउत ने दावा किया था कि मोदी नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय जाकर यह संकेत दे चुके हैं कि वे अब राजनीति से संन्यास लेने की तैयारी में हैं।

उत्तराधिकारी पर चर्चा का समय नहीं आया

फडणवीस ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर बात करना न तो जरूरी है और न ही यह सही समय है। वह 2029 के बाद भी देश का नेतृत्व करते रहेंगे। उनके नेतृत्व में देश लगातार प्रगति कर रहा है।

कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, कल्याण

पर्यावरण व प्रदुषण नियंत्रण विभाग

निविदा सूचना क्र. ४/२०२५-२६

आयुक्त, कल्याण डोंबिवली महानगरपालिकेच्या क्षेत्रातील १ कामांसाठी योग्य त्या वर्गातील नोंदणीकृत ठेकेदाराकडुन बी-१ नमुन्यात मोहरबंद लिफाफामध्ये जाहिर निविदा मागविण्यात येत आहेत.

सदर कामाचे कोरे निविदा फॉर्म, दि.०९/०४/२०२५ ते १६/०४/२०२५ रोजी दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत कार्यालयीन वेळेत रोखीने विकत मिळतील.

परिपूर्ण भरलेल्या निविदा, सीलबंद केलेल्या पेटीमध्ये दि.१६/०४/२०२५ रोजी दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत टाकण्यांत याव्यात. मुदतीत प्राप्त झालेल्या सर्व निविदा दि १७/०४/२०२५ दुपारी ४.०० वाजता उघडण्यांत येतील. सदर कामाची बयाणा रक्कम 'आयुक्त, कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, कल्याण या नावाने रोख/डिमांड ड्रॉफ्टव्दारे भरावयाची आहे.

कोणतेही कारण न देता सर्व निविदा नाकारण्यांचा अधिकार आयुक्त, कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका यांनी राखुन ठेवला आहे.

हस्ता/-
(अनिता परदेशी)
शहर अभियंता
कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, कल्याण

जा. क्र. कडोंमपा/जसंवि/मुका/ २८
दिनांक- ०८/०४/२०२५

मुस्लिम वोटों के लिए उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व से गद्दारी की : निरुपम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना उपनेता व प्रवक्ता संजय निरुपम ने आरोप लगाया कि मुस्लिम वोटों के लिए उद्धव सेना ने बालासाहेब ठाकरे के विचारों और हिंदुत्व से गद्दारी की है। अब उद्धव सेना ने हिंदू समाज में अपनी विश्वसनीयता खो दी है। उद्धव सेना की दोगली भूमिका की वजह से हिंदुओं में भारी आक्रोश है। वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने वाले उद्धव सेना को बालासाहेब का नाम लेने का अधिकार नहीं है। मंगलवार को पत्रकार परिषद में निरुपम ने कहा कि यूबीटी नेताओं का दावा है कि वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक किसी जाति धर्म से संबंधित नहीं होने और अचल संपत्ति से संबंधित है। वक्फ बोर्ड के कब्जे में करीब 2 लाख करोड़ की संपत्ति है। इसका जवाब देते हुए निरुपम ने कहा कि यूबीटी वालों को प्रॉपर्टी में अत्यधिक रुचि होने की बात साफ दिखाई दे रही है।

मध्य रेल

मुंबई मंडल

व्हील फ्लैंज लुब्रिकेशन सिस्टम का सप्लाई, इंस्टालेशन व कमीशनिंग

एकल ई-निविदा सुचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.च.स्टॉक.) मध्य रेल विद्युत लोको शेड कल्याण 421 301 द्वारा प्रतिष्ठित ठे के दारों से एकल ई निविदा वेबसाईट www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित करते हैं। **कार्य का विवरण** - विद्युत लोको शेड, कल्याण में आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नं. एमपी-0.3900.06 [Rev.01], जनुअरी 2024 या लेटेस्ट और ईएनएस केवायएन ड्राइंग नं. 4 TACP7MA-04 के तहत व्हील फ्लैंज लुब्रिकेशन सिस्टम का सप्लाई, इंस्टालेशन व कमीशनिंग. **निविदा क्र. ईएनएसकेवायएन-वर्क्स-2025-04-RSP-WFL**, **कार्य की औसत लागत** - रु. 1,82,38,080/- (जीएसटी सहित), **ई. एम.डी./बिडसिक्योरिटी** - रु. 2,41,200/-, **निविदा पत्र का मूल्य** - 0/-, **समापन/अनुरक्षण अवधि** - 18 माह/-, **बिड प्रकार** - सिंगल पैकेट, **अनुदेश:** 1. उपरोक्त निविदा की बंद होने की तिथि एवं समय 25-04-2025 को 11.00 बजे और उसी दिन 11.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा ऑफर की वैधता 60 दिन है। 2. निविदा का सम्पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं। सम्पूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.च.स्टॉक मध्य रेल विद्युत लोको शेड कल्याण 421 301 के कार्यालय मे भी उपलब्ध हैं।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता
(क.च.स्टॉक) कल्याण

SUN 15

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण) की एक क्षेत्रीय इकाई

म्हाडा MHADA

टेलीफोन नं.022-66405250, ई-मेल-eee.east1@gmail.com

संदर्भ संख्या. ईई/पूर्व/एमएसआईबी/ईटेंडर/09/2025-26

ई-टेंडर नोटिस संख्या 09

कार्यकारी अभियंता (पूर्व) प्रभाग, मुंबई झोपड़पट्टी सुधार बोर्ड, (म्हाडा की इकाई) कमरा नंबर 536, चौथी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400 051 फोन नंबर (022) 66405251 पंजीकृत ठेकेदारों से संबंधित उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदार या किसी सरकारी/अर्धसरकारी संगठन से ऑनलाइन ई-टेंडरिंग सिस्टम के माध्यम से बी1 (प्रतिशत दर) के रूप में 07 कार्यों के लिए ओपन/नियमित ई-टेंडर आमंत्रित कर रहा है। विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल **https://mahatenders.gov.in** से उपलब्ध होंगे और डाउनलोड किए जा सकते हैं, बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किए जा सकते हैं। निविदा दस्तावेज बिक्री दिनांक 09/04/2025, प्रातः 10.30 बजे से शुरू होकर 16/04/2025, सायं 6.15 बजे तक चलेगी। शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल **https://mahatenders.gov.in** वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा सकता है। सक्षम प्राधिकारी बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। सशर्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

Follow us: @mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/271

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (पूर्व),
एम.एस.आई.बी. बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र में अग्रणी आवास प्राधिकरण

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

टैरिफ का कहर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मनमाने टैरिफ हमले और चीन की जवाबी कार्रवाई से विश्व के तमाम शेयर बाजार लहूलुहान हुए हैं। कई अन्य देशों की भी जवाबी कार्रवाई के फैसले से दीर्घकालीन व्यापार युद्ध की आशंका बलवती हो गई है। जिससे पूरी दुनिया में मंदी आने की चेतावनी दी जा रही है। निश्चित तौर पर इससे आर्थिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस संशय और अनिश्चितता के चलते शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली से दुनिया के तमाम शेयर बाजार धराशायी हुए हैं। चीन का मानना है कि अमेरिका के एकतरफा संरक्षणवाद का दुनिया के देशों को विरोध करना चाहिए, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रणाली की सुरक्षा के लिये एक व्यापक गठबंधन बनाने की जरूरत बतायी है। इन हालात में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय दबाव के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ थोपने के फैसले को वापस लेंगे? यहां सवाल यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ का जवाब देने वाले देश पलटवार करने में कितने सक्षम हैं। लेकिन इस अनिश्चितता के दौर में निवेशकों में बढ़ती असुरक्षा ने भारत सरकार पर नीतिगत फैसले लेने के लिये दबाव बनाया है। विडंबना यह है कि अमेरिका राष्ट्रपति के इन कदमों से खुद अमेरिका के लिये भी बड़ी आर्थिक चुनौती पैदा हो सकती है। येल विश्वविद्यालय में बजट लैब के एक विश्लेषण के अनुसार ट्रंप सरकार के प्रतिशोधात्मक टैरिफ से औसत अमेरिकी परिवार को सालाना चार हजार दो सौ डॉलर का नुकसान उठाना पड़ सकता है। इतना ही नहीं अमेरिका में मंदी और तेज मुद्रास्फीति का खतरा भी मंडरा रहा है। वहीं भारत जैसे अन्य विकासशील व विकसित देशों को आशा है कि वैश्विक व घरेलू दबाव ट्रंप को उनकी भूल का अहसास कराएगा। वैसे एक हकीकत यह भी है कि अमेरिका अपने कई उत्पादों के लिये अन्य देशों पर निर्भर है। जिसका असर पूरी दुनिया पर भी दिख रहा है और स्थितियां कोरोना काल के संकट जैसी बन गई हैं। वैसे आज भी दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल से पूर्व की आर्थिक स्थिति पर लौटने के लिये संघर्षरत हैं। कमोबेश ये स्थितियां बड़े आर्थिक संकट की आहट दे रही हैं। जिसकी वजह है कि अमेरिका समेत अन्य देशों में निवेश बाधित होने, उत्पादन में गिरावट, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान से वैश्विक स्तर पर महंगाई उत्पन्न होने की चिंताएं बढ़ रही हैं। जिसका तमाम क्षेत्रों पर असर पड़ने से आम लोगों का जीवनयापन कठिन होता जाएगा। खपत कम होने से अर्थव्यवस्था का चक्र धीमा हो जाएगा। यही वजह है कि ट्रंप के मनमाने टैरिफ युद्ध से दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं खुद को बचाने की जद्दोजहद में जुटी हैं। हालांकि, खुद अमेरिका भी इसके दुष्परिणामों से अछूता नहीं रहेगा। निवेशकों की घबराहट से उसकी अर्थव्यवस्था भी चरमराएगी। आने वाले वक्त में उसके दांव ही उलटे पड़ने वाले हैं। घोर संरक्षणवाद के चलते वह कालांतर में शेष दुनिया से कट जाएगा।

जंगल उजड़ते रहे और हिरण मरते रहे, पर मुक़दमा किस पर चले

भारत में पर्यावरणीय न्याय के दोहरे मापदंड है। एक ओर, अभिनेता सलमान खान पर एक हिरण के शिकार का वर्षों तक मुक़दमा चलता है, जबकि दूसरी ओर, हैदराबाद में एक पूरे जंगल को उजाड़ दिया जाता है—जिसमें दर्जनों हिरण मारे जाते हैं—लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती। क्यों व्यक्तिगत अपराधियों को कठघरे में खड़ा किया जाता है, जबकि संस्थागत अपराधों पर कानून मौन हो जाता है। साथ ही यह पर्यावरण संरक्षण कानूनों की अक्षमता, मीडिया की चुप्पी और समाज की निष्क्रियता है। यह जरूरी है कि वन्यजीवों और जंगलों की रक्षा के लिए आवाज़ उठाएं और न्याय की परिभाषा को व्यापक और निष्पक्ष बनाएं। सालों पहले बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान पर काले हिरण (ब्लैकबक) के शिकार का मामला दर्ज हुआ था। वह मामला आज भी अदालतों की फाइलों में जीवित है, चर्चा में है, और उसके जरिये यह संदेश दिया जाता है कि ₹कानून के सामने सभी समान हैं।₹ लेकिन क्या वास्तव में ऐसा है? आज जब हैदराबाद जैसे शहर के बाहर एक पूरा जंगल नष्ट कर दिया जाता है, जहाँ दर्जनों हिरणों की जान जाती है, तो न तो खबरें बनती हैं, न जांच बैठती है और न ही कोई मुकदमा चलता है। क्या कानून सिर्फ उन्हीं पर लागू होता है जो प्रसिद्ध हैं, और संस्थाएं या सरकारें इससे परे हैं? भारत में पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के लिए कई सख्त कानून मौजूद हैं। भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत किसी भी संरक्षित जीव की हत्या, पकड़ या उसे नुकसान पहुंचाना दंडनीय अपराध है। वहीं, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए एक व्यापक कानूनी ढांचा प्रस्तुत करता है। लेकिन ये कानून कितने प्रभावी हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें लागू करने की राजनीतिक और सामाजिक इच्छाशक्ति कितनी है। सलमान खान जैसे अभिनेता के खिलाफ मामला इसलिए सुर्खियों में रहा क्योंकि वह एक प्रसिद्ध चेहरा थे। उन्हें कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जेल भी जाना पड़ा, भले ही बाद में जमानत मिल गई। यह दिखाने के लिए पर्याप्त था कि कानून काम कर रहा है। पर जब बात किसी कॉर्पोरेट प्रोजेक्ट, सरकारी योजना या शहरी विकास परियोजना की आती है, जो एक साथ सैकड़ों पेड़ों और दर्जनों जानवरों की बलि लेती है, तो प्रशासन मौन हो जाता है। न मुकदमा, न मीडिया ट्रायल, न जनआंदोलन। हैदराबाद के बाहरी इलाके में एक बड़ी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना के तहत जंगल का एक विशाल क्षेत्र साफ कर दिया गया। इस क्षेत्र में

रहने वाले हिरण, नीलगाय, खरगोश और कई पक्षियों की प्राकृतिक निवास स्थली नष्ट हो गई। सूत्रों के अनुसार, जंगल की सफाई के दौरान दर्जनों हिरण मारे गए, कुछ मशीनों की चपेट में आए, तो कुछ भोजन और पानी की कमी से मारे गए। इस पर कोई औपचारिक आंकड़ा या सरकारी रिपोर्ट नहीं आई। कारण साफ है—इसका जिम्मेदार कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि 'प्रोजेक्ट' था। और प्रोजेक्ट्स पर मुकदमा नहीं चलता। यह भी गौर करने योग्य है कि मीडिया की भूमिका भी इन दो चेहरों वाली न्याय व्यवस्था को बनाए रखने में मदद करती है। जहां एक ओर सेलेब्रिटी केस महीनों तक चैनलों पर बहस का मुद्दा बनते हैं, वहीं दूसरी ओर हैदराबाद जैसी घटनाओं की खबरें स्थानीय अख़बारों के कोनों में दब जाती हैं या पूरी तरह नज़रअंदाज़ हो जाती हैं। न्याय प्रणाली भी अक्सर

प्रियंका सौरभ

ऐसे मामलों को गंभीरता से नहीं लेती जब तक कि कोई जनहित याचिका (PIL) दायर न की जाए या कोई एनजीओ इस पर विशेष ध्यान न दे। समाज का भी दायित्व है कि वह ऐसे दोहरे मापदंडों पर सवाल उठाए। जब एक हिरण के शिकार पर हम नाराज़ होते हैं, तो सैकड़ों जानवरों की मौत पर हम क्यों चुप हो जाते हैं? क्या जंगल सिर्फ विकास के नाम पर बलिदान चढ़ाने के लिए हैं? क्या विकास की परिभाषा में प्रकृति का विनाश अनिवार्य है? हमें इन सवालों को अपने शहर, राज्य और देश के प्रशासन से पूछना होगा। इस तरह की घटनाओं के खिलाफ राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) में मामला दायर किया जा सकता है। जनहित याचिकाएं (PIL) उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की जा सकती हैं। पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की प्रक्रियाएं पारदर्शी और मजबूत की जानी चाहिएं, ताकि किसी भी परियोजना को जंगलों को नुकसान पहुँचाने से पहले कठोर जांच से गुजरना पड़े। इतिहास गवाह है कि जब-जब जन आंदोलनों ने पर्यावरण की रक्षा के लिए आवाज़ उठाई है, तब-तब व्यवस्थाओं को झुकना पड़ा है। आज भी जरूरत है कि छात्र, युवा, पर्यावरण प्रेमी, पत्रकार और जागरूक नागरिक मिलकर इस प्रकार के जंगल विध्वंस के खिलाफ संगठित हो जाएं। सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम हो सकता है, लेकिन उससे आगे जाकर जमीन पर भी बदलाव की मांग करनी होगी। सलमान खान पर मुकदमा इसलिए नहीं गलत था क्योंकि वह अकेले दोषी थे, बल्कि इसलिए कि वह अकेले दोषी नहीं थे। असली समस्या यह है कि बाकी दोषी लोग, संस्थाएं और परियोजनाएं कभी कटघरे में नहीं खड़ी होतीं। जंगल का कटना और हिरणों का मरना अगर अपराध है, तो चाहे वह किसी भी रूप में हो, उस पर कार्रवाई समान होनी चाहिए। अगर हम जंगलों को यूँ ही उजड़ते देखते रहे, और कानून को सिर्फ कुछ चेहरों तक सीमित रखते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब यह देश प्राकृतिक संसाधनों से तो खाली हो ही जाएगा, साथ ही न्याय और नैतिकता से भी।

शख्सियत — के. डी. सिंह बाबू

भारतीय हॉकी का जादूगर

के. डी. सिंह बाबू भारत के महान हॉकी खिलाड़ी थे, जिनका जन्म 9 अप्रैल 1922 को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में हुआ। उन्हें भारतीय हॉकी का जादूगर भी कहा जाता है। उनके सम्मान में लखनऊ का एक स्टेडियम उनके नाम पर है के. डी. सिंह बाबू स्टेडियम। उनका निधन 27 मार्च 1978 को हुआ।

के. डी. सिंह बाबू, जिनका पूरा नाम कुंवर दिग्विजय सिंह था, भारतीय हॉकी के स्वर्णिम युग के ऐसे महान खिलाड़ी थे जिन्होंने देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाया। उनका जन्म 9 अप्रैल 1922 को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी ज़िले में हुआ था। बचपन से ही उन्हें खेलों, विशेषकर हॉकी में रुचि थी और उन्होंने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा से ध्यान खींचना शुरू कर दिया था। वे एक बेहतरीन सेंटर-फॉरवर्ड खिलाड़ी थे, जिनकी पासिंग, रणनीति और गति लाजवाब मानी जाती थी। के. डी. सिंह बाबू ने 1948 के लंदन ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के उपकप्तान के रूप में भाग लिया और भारत को स्वतंत्रता के बाद पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में वे टीम के कप्तान बने और एक बार फिर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। उनके नेतृत्व कौशल, खेल के प्रति समर्पण और मैदान पर उनकी सूझबूझ की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रशंसा हुई। उन्होंने अपने खेल जीवन में 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गोल किए और कई देशों के खिलाफ भारत को विजयी बनाया। 1953 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया। उनके सम्मान में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में के. डी. सिंह बाबू स्टेडियम की स्थापना की गई, जो आज भी उनकी स्मृति को जीवंत रखता है। उनका जीवन बेहद अनुशासित और सादा था, जहाँ खेल उनके लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं बल्कि आत्मानुशासन, राष्ट्रभक्ति और चरित्र निर्माण का माध्यम था। वे खिलाड़ियों में टीम भावना, ईमानदारी और खेल के प्रति समर्पण का बीजारोपण करते थे। के. डी. सिंह बाबू ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की पहचान एक श्रेष्ठ हॉकी राष्ट्र के रूप में मजबूत की। उनके खेल कौशल को देखकर विदेशी खिलाड़ी भी प्रभावित होते थे और उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखते थे। उनकी सादगी और नेतृत्व की छवि आज भी भारतीय हॉकी में प्रेरणा का स्रोत है। 27 मार्च 1978 को उनके निधन के साथ भारत ने न सिर्फ एक महान खिलाड़ी खोया, बल्कि खेलों के प्रति एक आदर्श दृष्टिकोण को भी अलविदा कहा, जिसे आज भी सम्मान और गर्व के साथ याद किया जाता है।

प्रमुख उपलब्धियाँ

ओलंपिक स्वर्ण पदक – 1948 (उपकप्तान) और 1952 (कप्तान) में हॉकी में भारत को स्वर्ण दिलाया।
बेहतरीन मिडफील्डर – ड्रिब्लिंग और पासिंग के लिए विश्व प्रसिद्ध।
पद्मश्री सम्मान – 1958 में भारत सरकार ने पद्मश्री से नवाज़ा।
प्रशिक्षक और मार्गदर्शक – रिटायरमेंट के बाद युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया।

जीवन मंत्र

परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता

परिश्रमी व्यक्ति की सबसे बड़ी ताकत यह होती है कि वह खुद पर विश्वास करता है और यह जानता है कि मेहनत जरूर रंग लाएगी। इसी कारण, परिश्रमी व्यक्ति को परिस्थितियों से फर्क नहीं पड़ता वह अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता रहता है, चाहे राह में कितनी भी रुकावटें क्यों न हों।

हर प्रयास और हर सफलता के पीछे छिपा हुआ मूलमंत्र है। जीवन में कुछ भी ऐसा नहीं जिसे केवल भाग्य या अवसर से ही पाया जा सके। अगर व्यक्ति वास्तव में किसी लक्ष्य को प्राप्त करना चाहता है, तो उसे पूरी ईमानदारी, समर्पण और निरंतर मेहनत करनी पड़ती है। सफलता कभी भी रातों-रात नहीं मिलती उसके पीछे महीनों, वर्षों तक की कड़ी तपस्या और परिश्रम छिपा होता है। चाहे वह विद्यार्थी हो, किसान हो, खिलाड़ी हो या वैज्ञानिक सभी की उपलब्धियों की जड़ में कठिन परिश्रम ही होता है।जब हम कोई सपना देखते हैं, तो वह सपना तभी साकार होता है जब हम उसे पाने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। कई बार रास्ता कठिन होता है, असफलताएं आती हैं, लोग हतोत्साहित करते हैं लेकिन जो व्यक्ति इन सबके बावजूद हार नहीं मानता और लगातार परिश्रम करता है, वही अंततः

अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है। परिश्रमी व्यक्ति की सबसे बड़ी ताकत यह होती है कि वह खुद पर विश्वास करता है और यह जानता है कि मेहनत जरूर रंग लाएगी। इसी कारण, परिश्रमी व्यक्ति को परिस्थितियों से फर्क नहीं पड़ता वह अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता रहता है, चाहे राह में कितनी भी रुकावटें क्यों न हों। इसके विपरीत, जो लोग सिर्फ भाग्य या शॉर्टकट पर विश्वास करते हैं, वे अक्सर बीच रास्ते में ही थककर बैठ जाते हैं। सफलता उन्हीं के कदम चूमती है जो उसके लिए खुद को पूरी तरह झोंक देते हैं। परिश्रम न केवल सफलता की कुंजी है, बल्कि यह आत्मविश्वास, अनुशासन और चरित्र को भी मजबूत बनाता है। इसलिए कहा गया है कर्म किए जा, फल की चिंता मत कर क्योंकि सच्चा कर्म ही अंततः सुंदर परिणामों का आधार बनता है। यही कारण है कि ₹परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता यह वाक्य केवल कहावत नहीं, बल्कि एक जीवन जीने की पद्धति है।

श्रम ही जीवन की पुकार है,
सफल वही जिसकी लगन अपार है,
श्रम से मिलती जय अपार है।

जीवन ऊर्जा

शार्ल बॉदलेर : जन्म: 9 अप्रैल 1821 — जन्म

प्रेरणा रोज़ काम करने से आती है

शार्ल बॉदलेर उन्नीसवीं सदी के फ्रांस के एक अत्यंत प्रभावशाली कवि, निबंधकार और कला-समीक्षक थे, जिन्हें आधुनिक कविता का जन्मदाता भी कहा जाता है। उनका जन्म 9 अप्रैल 1821 को पेरिस, फ्रांस में हुआ था। बॉदलेर की लेखनी में गहराई, रहस्य, सौंदर्य और मनोवैज्ञानिक भावनाओं का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। उनका निधन 31 अगस्त 1867 को मात्र 46 वर्ष की आयु में हो गया।

अक्सर हम सोचते हैं कि प्रेरणा कोई अचानक उत्पन्न होने वाली भावना है, जैसे कि किसी विशेष क्षण में कोई जादुई विचार हमारे मन में कौंध जाए और हम तुरंत कुछ असाधारण कर डालें। रचनात्मकता या कोई भी कार्यक्षमता कोई संयोग नहीं है, बल्कि यह एक आदत होती है। जब हम नियमित रूप से काम करते हैं, तो हमारी मानसिक क्षमता विकसित होती है और हम अपने भीतर की रचनात्मक ऊर्जा को खोज पाते हैं। शुरुआती दिनों में भले ही कुछ नया सोचने या करने में कठिनाई हो, लेकिन जैसे-जैसे अभ्यास बढ़ता है, वैसे-वैसे प्रेरणा भी हमारे साथ चलने लगती है। जब हम सोचते हैं

कि "जब मूड आएगा तब लिखूंगा" या "जब मन लगेगा तब करूंगा," तो यह प्रक्रिया अनिश्चित बन जाती है और अक्सर हम शुरुआत ही नहीं कर पाते। लेकिन जो व्यक्ति हर दिन एक तय समय पर काम करता है, भले ही कुछ खास विचार न हों, वह धीरे-धीरे अपनी सोच की गहराई तक पहुँचता है। यही निरंतरता प्रेरणा को जन्म देती है। रोज़ काम करना, भले ही छोटे स्तर पर ही क्यों न हो, हमारे भीतर आत्मविश्वास को भी जगाता है । इसलिए शार्ल बॉदलेर का यह कथन केवल कवियों या कलाकारों के लिए ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के लिए एक प्रेरणास्रोत है जो अपने जीवन में कुछ रचनात्मक है। यह विचार हमें यह सिखाता है कि अगर हम अपने कार्य के प्रति ईमानदार, नियमित और अनुशासित रहें, तो प्रेरणा कोई दूर की चीज नहीं रह जाती वह हमारे साथ चलने लगती है, हर दिन, हर पल। और तब हम समझ पाते हैं कि प्रेरणा किसी चमत्कार की तरह नहीं आती, वह हमारी नियमित मेहनत का ही परिणाम होती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सन्तोषम् परम सुखम्

गोधन, गजधन, बाजधन, और रतन धन खान।
जब आवे संतोष धन, सब धन धूरि समान।।

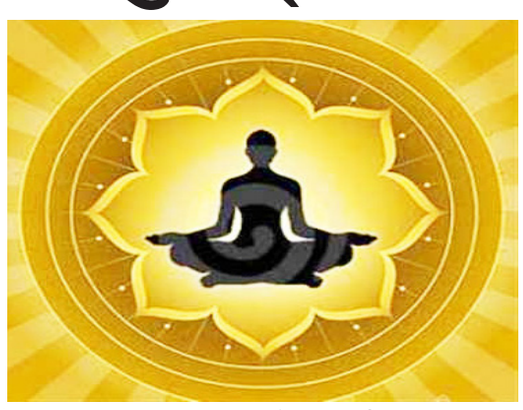

मनुष्य की क्षुधा का अंत नहीं है। लखपति करोड़पति बनना चाहता है क्योंकि वह लाख रुपये पाकर भी संतुष्ट नहीं होता। करोड़पति से पूछो, क्या इतने रुपये पाकर वह सुखी है? वह कहेगा कि रुपया कहाँ है, किसी प्रकार दिन काट रहा है। अधिक संपत्ति रहने के बावजूद ऐसे व्यक्ति को अभाव बोध होते रहना उसका अपरिग्रह विरोधी भाव है। इसका उसके देह और मन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। शरीर और मन को अत्यधिक लोभ - लालसा में बाँधकर मनुष्य जरूरत से अधिक धन संचय में लगा रहता है। इसलिए मन विश्राम नहीं पाता है। प्रश्न है, शरीर पर इसका कैसे बुरा असर पड़ता है? चूँकि मन को संतुष्ट करने की लालसा

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

में मनुष्य स्वाभाविक परिश्रम करता रहता है, इस क्रम में वह अपने शरीर पर सामर्थ्य से ज़्यादा बोझ डालता है। वहीं, व्यक्ति द्वारा शरीर पर सामर्थ्य से अतिरिक्त बोझ न देकर जो धन या संपत्ति वह उपार्जित करता है, उससे तृप्त रहने का नाम 'संतोष साधना' है। 'तोष' शब्द का अर्थ है मन के आराम की अवस्था और 'संतोष' का अर्थ हुआ सभी प्रकार से आराम की अवस्था में आना। हालाँकि, संतोष साधना का उद्देश्य यह नहीं है कि कोई आपको किसी प्रकार ठग ले या आपके ऊपर अत्याचार करे और आप उसे सह लें। अस्तित्व की रक्षा के अपने अधिकार या अपनी न्यायोचित भावना का त्याग करना किसी भी तरह से उचित नहीं होता। जीवन के सभी क्षेत्रों में अपने अधिकारों की प्रतिष्ठा के लिए मनुष्य को सदैव संग्राम करते रहना चाहिए, लेकिन इस क्रम में कभी भी अति लोभ के वश में होकर अपनी शारीरिक और मानसिक शक्ति को नष्ट कर संतोष भाव के विपरीत नहीं जाना चाहिए। चूँकि मनुष्य अक्सर अपने सुख भोग के लिए लोभ वृत्ति के वश में आकर अपने सामर्थ्य से अधिक धन उपार्जन करने का प्रयास करता है, इसके चलते शरीर और मन के स्तर पर असंतुलन पैदा होता है, जो उसके आध्यात्मिक प्रगति में बाधक बनता है।

अपने विचार

मैं अरविंद केजरीवाल से पूछना चाहता हूं कि जब तुम टेढ़ी मेढ़ी पगड़ी बांधकर कभी दरबार साहिब जाते थे। 12 साल तक तुम ड्रामा नौटंकी करते रहे और इसका खामियाजा हमारी सारी कम्यूनिटी भुगत रही है।

-मनजिंदर सिरसा, मंत्री, दिल्ली सरकार

कांग्रेस नेताओं ने एक बड़े घोटाले में वक्फ की जमीन हड़प ली है। केंद्र की तरफ से जो नया कानून बनाया गया है वह हमें इस मामले में पारदर्शिता लाने में मदद करेगा.. इसके बदले में हम गरीब मुसलमान का जीवन बदल देंगे।

-देवेंद्र फडणवीस, ,सीएम, महाराष्ट्र

स्कूलों में फीस बढ़ाए जाने के पीछे जिस व्यक्ति का हाथ रहा है वह भाजपा का पदाधिकारी है और चुनाव में वह रेखा गुप्ता के लिए काम कर चुके हैं। भारद्वाज ने कहा कि यह हितों के टकराव का मामला है।

-सौरभ भारद्वाज, नेता आप पार्टी

ममता बनर्जी को अब सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। अगर उनके अंदर जरा भी जिम्मेदारी का अहसास बचा हुआ है तो उन्हें पद को छोड़ देना चाहिए। इस मामले वह ममता बनर्जी निश्चित रूप से जेल जाएंगी।

-संबित पात्रा ,सांसद, बीजेपी

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार)।

एमएमआर में बुनियादी ढांचे को मिलेगा बड़ा बूस्ट

एमएमआरडीए ने 4.07 लाख करोड़ रुपए के वित्तपोषण सौदों पर किए हस्ताक्षर

दीपक पवार । मुंबई

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने के लिए 4.07 लाख करोड़ रुपए (लगभग 48 अरब अमेरिकी डॉलर) के ऋण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौते मंगलवार को इंडिया ग्लोबल फोरम 2025 के दौरान संपन्न हुए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एवं एमएमआरडीए अध्यक्ष एकनाथ शिंदे, और महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी की उपस्थिति में यह ऐतिहासिक करार हुआ। यह साझेदारी मुंबई को वैश्विक शहरी और वित्तीय केंद्र में बदलने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

प्रमुख वित्तीय संस्थानों से एमएमआरडीए को दीर्घकालिक सहायता

हुडको (HUDCO)
- ऋण राशि : 1.5 लाख करोड़
- कार्यक्षेत्र : आवास, परिवहन, शहरी विकास
- प्रभाव : किफायती आवास और समावेशी शहरी परिवर्तन को बढ़ावा

आरईसी (REC)
- ऋण राशि : 1 लाख करोड़
- कार्यक्षेत्र : ऊर्जा दक्षता, शहरी परिवहन
- प्रभाव : दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे को वित्तीय बल

पीएफसी (PFC)
- ऋण राशि : 1 लाख करोड़
- कार्यक्षेत्र : ऊर्जा-कुशल परियोजनाएं, टिकाऊ शहरी सेवाएं
- प्रभाव : स्मार्ट सिटी और हरित विकास को समर्थन

आईआरएफसी (IRFC)
- प्रतिबद्धता : 50,000 करोड़
- कार्यक्षेत्र : मेट्रो, उपनगरीय रेल, मल्टीमॉडल परिवहन

- प्रभाव : क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आधुनिक ट्रांजिट प्रणाली को बढ़ावा

NaBFID
- प्रतिबद्धता : 7,000 करोड़
- कार्यक्षेत्र : स्मार्ट बुनियादी ढांचा, शहरी सेवाएं
- प्रभाव : नवाचार और भविष्य के लिए तैयार शहर विकास को गति

किसने क्या कहा ?

भारतीय वित्तीय संस्थानों से 50 अरब डॉलर का सहयोग हासिल कर हमने बुनियादी ढांचे की नींव मजबूत की है। अब हमारा लक्ष्य वैश्विक संस्थानों से भी सहयोग प्राप्त करना है।
देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री

यह समझौता भारत की वैश्विक स्तर का बुनियादी ढांचा तैयार करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे रोजगार, कनेक्टिविटी और जीवन गुणवत्ता में सुधार होगा।
एकनाथ शिंदे बोले, उपमुख्यमंत्री

यह साझेदारी हमारे बुनियादी ढांचा विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और मुंबई को टिकाऊ व प्रतिस्पर्धी महानगर बनाएगी।
डॉ. संजय मुखर्जी, एमएमआरडीए आयुक्त

ग्रीष्मकाल में यात्रियों को राहत

मध्य रेल चलाएगा 6 अतिरिक्त अनारक्षित विशेष ट्रेन सेवाएं

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेलवे ने गर्मी के मौसम में यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए 6 अतिरिक्त अनारक्षित विशेष ट्रेन सेवाएं चलाने की घोषणा की है। इससे पहले रेलवे द्वारा 290 अनारक्षित, 42 एसी सहित कुल 1204 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन सेवाएं घोषित की जा चुकी हैं। यात्रियों की सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए ये नई ट्रेन सेवाएं शुरू की जा रही हैं।

भिवंडी–सांकराईल के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेन (तीन सेवाएं)

गाड़ी संख्या 01149 अनारक्षित विशेष 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2025 तक हर बुधवार को रात 10:30 बजे भिवंडी से रवाना होगी और तीसरे दिन दोपहर 1:00 बजे सांकराईल गुड्स टर्मिनल यार्ड पहुंचेगी। प्रमुख ठहराव कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर और खड़गपुर होंगे।

खड़गपुर–ठाणे के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेन (तीन सेवाएं)

गाड़ी संख्या 01150 अनारक्षित विशेष 12 अप्रैल से 26 अप्रैल 2025 तक हर शनिवार को रात 11:45 बजे खड़गपुर से रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 10:30 बजे ठाणे पहुंचेगी। प्रमुख ठहराव : टाटानगर, चक्रधरपुर, राउरकेला, झारसुगुड़ा, बिलासपुर, रायपुर, गोंदिया, नागपुर, वर्धा, बडनेरा, अकोला, भुसावल, जलगांव, मनमाड, नासिक रोड, इगतपुरी और कल्याण होंगे।

उल्हासनगर मनपा में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

₹यह परिवर्तन का समय है। प्रशासन को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए अधिकारी-कर्मचारी नया ज्ञान, तकनीक और कौशल अर्जित करें,₹ ऐसा मार्गदर्शन यशदा पुणे के प्रशिक्षक व जनसंपर्क अधिकारी डॉ. बबन जोगदंड ने उल्हासनगर मनपा मुख्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में किया।

मनपा आयुक्त की संकल्पना पर आधारित कार्यक्रम

प्रशिक्षण के प्रारंभ में उपायुक्त अजय साबले ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि यह आयोजन मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले की पहल पर किया गया है। भविष्य में भी इस प्रकार के क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

100 दिवसीय प्रशासनिक सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजन

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए 100 दिवसीय प्रशासनिक सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत उल्हासनगर महानगरपालिका ने अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। इस अवसर पर डॉ. जोगदंड ने कहा कि भविष्य में तकनीक प्रशासन में अहम भूमिका निभाएगी, इसलिए सभी को मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए।

सूचना के अधिकार पर विशेष व्याख्यान

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में नासिक के ख्यातिप्राप्त व्याख्याता संदीप सावंत ने सूचना का अधिकार अधिनियम पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर उपायुक्त अनंत जवादवार, सुनील लोंढे, विशाल कदम सहित मनपा के कई अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशासनिक दक्षता के लिए बदलें सोच और बढ़ाएं क्षमता

डॉ. जोगदंड ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी बदलती चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी क्षमताएं बढ़ाएं। उन्होंने समग्र विकास के लिए संचार कौशल, अंग्रेजी भाषा, आत्मविश्वास, प्रौद्योगिकी और परिश्रम – इन पांच सिद्धांतों को अपनाने पर जोर दिया।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर हमारे देश का गौरव हैं : डॉ. अशोक वाघ

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

बीएनएन कॉलेज, भिवंडी में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में सामाजिक समानता सप्ताह समारोह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक वाघ ने कहा कि ₹डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर हमारे देश का गौरव हैं। उनके विचारों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना और उन पर अमल करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।₹ डॉ. वाघ ने कहा कि विविधता में एकता की भावना को मजबूत करना बाबासाहेब के विचारों की पहचान है। आज समाज में जो सम्मान और गौरव मिला है, वह उनकी दूरदृष्टि और संघर्ष का परिणाम है।

8 से 14 अप्रैल तक सामाजिक समानता सप्ताह

महाराष्ट्र सरकार के सामाजिक न्याय व विशेष सहायता विभाग के निर्देश पर पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल द्वारा यह आयोजन 8 से 14 अप्रैल तक आयोजित किया गया है। उद्घाटन समारोह में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया और ज्योति घनघाव ने हिंदू कोड बिल पर अपने विचार रखे।

5 मई को आयोजित होगा मनपा लोकशाही दिवस

नागरिकों से 21 अप्रैल तक आवेदन जमा करने की अपील

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका का अगला लोकशाही दिवस 5 मई को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों को सुनने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। मनपा प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी शिकायतें 21 अप्रैल तक मनपा मुख्यालय स्थित शहरी सुविधा केंद्र में जमा कर दें।

समस्या समाधान के लिए एक सशक्त मंच

लोकशाही दिवस नागरिकों के लिए अपनी शिकायतें सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। मनपा ने नागरिकों से निर्धारित समयसीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है ताकि उनकी समस्याओं का समय पर समाधान किया जा सके।

फॉर्म-1(बी) के साथ दो प्रतियों में करें आवेदन

हर आवेदन के साथ फॉर्म-1(बी) संलग्न करना अनिवार्य है, जो सुविधा केंद्र पर उपलब्ध है। प्रत्येक शिकायत की दो प्रतियां जमा करनी होंगी। महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र (दिनांक 26 सितम्बर 2012) के अनुसार, लोकशाही दिवस पर केवल वही याचिकाएं स्वीकार की जाएंगी जो पहले जिला लोकशाही दिवस में प्रस्तुत की जा चुकी हों और जिन पर 1 महीने तक कोई कार्रवाई नहीं हुई हो। इन शर्तों को पूरा करने वाली याचिकाओं को ही मुख्यालय में आयोजित लोकशाही दिवस पर सुना जाएगा।

एक आवेदन में एक ही शिकायत अनिवार्य

हर आवेदन में केवल एक शिकायत ही स्वीकार की जाएगी। एक से अधिक मुद्दों वाले आवेदन अमान्य माने जाएंगे। साथ ही, नागरिकों को जिले में प्राप्त टोकन नंबर का भी उल्लेख करना आवश्यक है।

ठाणे मनपा में सीपीआर कार्यशाला का आयोजन

आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक तकनीक की दी गई जानकारी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका द्वारा स्व. नरेंद्र बल्लाल सभागार में सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) पर आधारित एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस व्यावहारिक प्रशिक्षण में आपातकालीन स्थिति में व्यक्ति को सीपीआर देकर उसकी जान कैसे बचाई जा सकती है, इसकी विस्तार से जानकारी दी गई।

मनपा आयुक्त ने लिया प्रशिक्षण

मनपा आयुक्त सौरभ राव ने भी कार्यशाला में भाग लेते हुए सीपीआर तकनीक का प्रशिक्षण लिया और स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इस प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, उपायुक्त उमेश बिरारी, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतना नितिल समेत कई मनपा अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स की सहभागिता

यह प्रशिक्षण इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स और डॉ. राजन जोशी के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यशाला में डॉ. श्वेता पाटिल और डॉ. विराल हरिया भी उपस्थित रहे। डॉ. राजन जोशी ने बताया कि सीपीआर देने के लिए डॉक्टर होना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, ₹हर नागरिक को यह जानना चाहिए कि किसी आपात स्थिति में कैसे जीवन बचाया जा सकता है।

सीपीआर के महत्व पर दिया गया मार्गदर्शन

डॉ. जोशी ने बताया कि सीपीआर, हृदयाघात या श्वसन रुकने की स्थिति में दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा है, जिसमें छाती पर दबाव और बचाव श्वास के माध्यम से व्यक्ति को पुनर्जीवित किया जाता है। उन्होंने समझाया कि यदि कोई व्यक्ति बेहोश हो जाए तो सबसे पहले उसे सुरक्षित स्थान पर लाएं, उसकी प्रतिक्रिया जांचें और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सीपीआर देना शुरू करें।

हर नागरिक को मिलना चाहिए सीपीआर प्रशिक्षण

कार्यशाला के दौरान बताया गया कि जब तक मरीज होश में न आए या डॉक्टर न पहुंचे, तब तक सीपीआर जारी रखना चाहिए। यदि कोई प्रतिक्रिया न मिले तो 108 पर कॉल कर तुरंत चिकित्सा सहायता ली जानी चाहिए। डॉ. जोशी ने कहा कि सीपीआर एक जीवनरक्षक तकनीक है, और हर व्यक्ति को इसका प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

बांद्रा रिक्लेमेशन और वर्ली आदर्श नगर में संयुक्त पुनर्विकास को मंजूरी

कैबिनेट बैठक में म्हाडा को पुनर्विकास के लिए निर्माण एजेंसी नियुक्त करने की छूट

दीपक पवार । मुंबई

मुंबई राज्य सरकार ने म्हाडा के तहत बांद्रा रिक्लेमेशन और वर्ली स्थित आदर्श नगर में स्थित इमारतों के संयुक्त पुनर्विकास को मंजूरी दे दी है। यह फैसला सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया।

सीडीए की नियुक्ति को मिली हरी झंडी

बैठक में तय किया गया कि उन भूखंडों को छोड़कर, जिनके लिए पहले से मंजूरी मिल चुकी है, बाकी एकल इमारतों के पुनर्विकास के लिए म्हाडा के माध्यम से एक निर्माण एवं विकास एजेंसी (Construction and Development Agency - CDA) नियुक्त की जाएगी। यह एजेंसी पुनर्विकास से जुड़े तमाम कार्यों की जिम्मेदार होगी। इस एकीकृत पुनर्विकास योजना के तहत सरकार की पूर्व स्वीकृति के साथ चार एफएसआई (FSI) दिए जाएंगे। इनमें से एक एफएसआई को इंडेक्स हाउसिंग स्टॉक के रूप में माना जाएगा। म्हाडा को ऐसा डेवलपर नियुक्त करना होगा जो अधिकतम हाउसिंग स्टॉक उपलब्ध कराने की क्षमता रखता हो और वित्तीय एवं भौतिक शर्तों को पूरा करता हो। बांद्रा रिक्लेमेशन का कुल क्षेत्रफल 1,97,466 वर्ग मीटर और वर्ली स्थित आदर्श नगर का क्षेत्रफल 68,034 वर्ग मीटर है। डेवलपर को पुनर्विकास के लिए दोनों क्षेत्रों की सहकारी सोसायटियों के कुल सदस्यों में से कम से कम 51 प्रतिशत की सहमति प्राप्त करनी होगी।

पुनर्वास से लेकर बुनियादी ढांचे तक जिम्मेदारी

निर्माण एवं विकास एजेंसी मूल भूस्वामियों और निवासियों के पुनर्वास, अस्थायी आवास, वैकल्पिक स्थलों के लिए किराया, कॉर्पस फंड के भुगतान और आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास की पूर्ण जिम्मेदारी निभाएगी। साथ ही, निविदा प्रक्रिया के दौरान सभी सरकारी निर्णयों और नियमों का पालन अनिवार्य होगा।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जयंती उत्सव मंडल 2024 का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

भिवंडी। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जयंती उत्सव मंडल 2024 का पुरस्कार वितरण समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विनायक देशमुख ने अंबेडकर को विश्व का महान व्यक्तित्व बताते हुए कार्यक्रम के दौरान नियमों के पालन की अपील की। अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित अनुशासित जुलूस और शानदार प्रस्तुतियों के लिए कई उत्सव मंडलों को पुलिस विभाग की ओर से सम्मानित किया गया। इनमें बौद्धजन पंचायत समिति उत्सव मंडल गायत्री नगर (प्रथम पुरस्कार), सिद्धार्थ मित्र मंडल खोनी गांव, (विशेष उल्लेखनीय पुरस्कार), रत्नदीप मित्र मंडल अंजुर फाटा और गौतम नगर मित्र मंडल कोम्बाडपाड़ा (द्वितीय पुरस्कार) साईं प्रसन्न मित्र मंडल नारपोली और सिद्धार्थ नगर मित्र मंडल कोम्बाडपाड़ा (तृतीय पुरस्कार) एक सार्वजनिक उत्सव मंडल हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी।

वृष — कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

मिथुन — भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

कर्क — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर संयम रखें।

सिंह — बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी।

कन्या — सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी।

तुला — पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

वृश्चिक — जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा।

धनु — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

मकर — डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

कुंभ — सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे।

मीन — कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

शनि का जातक के जीवन पर प्रभाव

शनि ऐसा ग्रह है जिसके प्रति सभी का डर सदैव बना रहता है। आपकी कुंडली में शनि किस भाव में है, इससे आपके पूरे जीवन की दिशा, सुख, दुख आदि सभी बात निर्धारित हो जाती है। शनि को कष्टप्रदाता के रूप में अधिक जाना जाता है। किसी ज्योतिषाचार्य से अपना अन्य प्रश्न पूछने के पहले व्यक्ति यह अवश्य पूछता है कि शनि उस पर भारी तो नहीं। भारतीय ज्योतिष में शनि को नैसर्गिक अशुभ ग्रह माना गया है। शनि कुंडली के त्रिक (6, 8, 12) भावों का कारक है। पाश्चात्य ज्योतिष भी है। अगर व्यक्ति धार्मिक हो, उसके कर्म अच्छे हों तो शनि से उसे अनिष्ट फल कभी नहीं मिलेगा। शनि से अधर्मियों व अनाचारियों को ही दंड स्वरूप कष्ट मिलते हैं। मत्स्य पुराण के अनुसार शनि की कांति इंद्रनीलमणि जैसी है। कौआ उसका वाहन है। उसके हाथों में धनुष बाण, त्रिशूल और वरमुद्रा हैं। शनि का विकराल रूप भयानक है। वह पापियों के संहार के लिए उद्यत रहता है। शास्त्रों में वर्णन है कि शनि

वृद्ध, तीक्ष्ण, आलसी, वायु प्रधान, नपुंसक, तमोगुणी और पुरुष प्रधान ग्रह है। इसका वाहन गिद्ध है। शनिवार इसका दिन है। स्वाद कसैला तथा प्रिय वस्तु लोहा है। शनि राजदूत, सेवक, पैर के दर्द तथा कानून और शिल्प, दर्शन, तंत्र, मंत्र और यंत्र विद्याओं का कारक है। ऊसर भूमि इसका वासस्थान है। इसका रंग काला है। यह जातक के स्नायु तंत्र को प्रभावित करता है। यह मकर और कुंभ राशियों का स्वामी तथा मृत्यु का देवता है। यह ब्रह्म ज्ञान का भी कारक है, इसीलिए शनि प्रधान लोग संन्यास ग्रहण कर लेते हैं।शनि सूर्य का पुत्र है। इसकी माता छाया एवं मित्र राहु और बुध हैं। शनि के दोष को राहु और बुध दूर करते हैं।शनि दंडाधिकारी भी है। यही कारण है कि यह साढ़े साती के विभिन्न चरणों में जातक को कर्मानुकूल फल देकरउसकी उन्नति व समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। कृषक, मजदूर एवं न्याय विभाग पर भी शनि का अधिकार होता है। जब गोचर में शनि बली होता है तो इससे संबद्ध लोगों की उन्नति होती है। शनि भाव 3, 6,10, या 11 में शुभ प्रभाव प्रदान करता है। प्रथम, द्वितीय, पंचम या सप्तम भाव में हो तो अरिष्टकर होता है। चतुर्थ, अष्टम या द्वादश भाव में होने पर प्रबल अरिष्टकारक होता है। यदि जातक का जन्म शुक्ल पक्ष की रात्रि में हुआ हो और उस समय शनि वक्री रहा हो तो शनिभाव बलवान होने के कारण शुभ फल प्रदान करता है। शनि सूर्य के साथ 15 अंश के भीतर रहने पर अधिक बलवान होता है। 36 एवं 42 वर्ष की उम्र में अति बलवान होकर शुभ फल प्रदान करता है। उक्त अवधि में शनि की महादशा एवं अंतर्दशा कल्याणकारी होती है। शनि यदि मेष,वृश्चिक,सिंह राशि में हो तो कमजोर माना जाता है क्योंकि ये तीनो राशि उसकी शत्रु राशियाँ है। इस के साथ साथ यदि शनि 8 डिग्री से कम या 25 डिग्री अधिक हो तो भी शनि कमजोर होता है।

प्रियंका जैन
9769994439

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

एसपी सांसद जियाउर्रहमान बर्क से एसआईटी ने की 3 घंटे तक पूछताछ

संभल : संभल हिंसा मामले में गठित SIT ने नखासा थाने में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क से SIT ने 3 घंटे तक पूछताछ की है। बता दें कि सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को SIT की ओर से नोटिस दिया गया था, जिसके चलते मंगलवार को सपा सांसद अपना बयान दर्ज कराने के लिए नखासा थाने पहुंचे। सुबह लगभग 11.15 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक सपा सांसद से SIT ने संभल हिंसा मामले में पूछताछ की। SIT ने उनसे किन-किन बिंदुओं पर सवाल किए और सांसद ने क्या जवाब दिए, उसे गोपनीय रखा गया है। वहीं SIT के सवालों के जवाब देकर थाने से बाहर निकले सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने बताया उच्च न्यायालय का जो आदेश था, जो जांच प्रक्रिया है, उसमें सहयोग देने के लिए नोटिस दिया गया था। उसके लिए मैं यहां आया था। अभी जांच पेंडिंग है।

झारखंड कैबिनेट की बैठक में 14 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हुई कैबिनेट की बैठक में 14 प्रस्तावों पर मंजूरी प्रदान की गई। यह जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने दी है। उन्होंने बताया कि मंत्रिपरिषद ने जल संसाधन विभाग अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय में लिपिक संवर्ग की भर्ती, प्रोन्नति नियमावली 2025 के गठन की स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावे मंत्रिपरिषद ने एविएशन टर्बाइन पर जीएसटी की दर बढ़ाते हुए चार प्रतिशत से 12% करने का निर्णय लिया है। झारखंड अवर शिक्षा सेवा संवर्ग के पदाधिकारियों को राज्य शिक्षा सेवा वर्ग 2 के पद पर न्यायालय के आदेश अनुसार भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति देने की स्वीकृति देने का निर्णय लिया है। कैबिनेट ने न्यायालय के आदेश पर झारखंड प्रशासनिक सेवा में रहे दिवंगत सरयू प्रसाद चौधरी के परिजन को पेंशन और उपादान के भुगतान करने का निर्णय लिया है।

डीएओ ऑफिस का क्लर्क और एसडीपीओ का रीडर घूसखोरी में गिरफ्तार

सुपौल: बिहार में घूस लेने वालों के खिलाफ लगातार निगरानी विभाग की टीम कार्रवाई कर रही है। निगरानी विभाग की विशेष इकाई ने पटना और सुपौल में ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। पटना में डीईओ ऑफिस का क्लर्क और सुपौल के वीरपुर एसडीपीओ के रीडर को वीरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के आवासीय परिसर से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि किसी केस में पैरवी करने के नाम पर वीरपुर एसडीपीओ के रीडर ने एक शख्स से पैसों की डिमांड की थी, जिसकी शिकायत पीड़ित ने निगरानी से की थी। इसके बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना की टीम ने मंगलवार की सुबह 9 बजे एसडीपीओ के रीडर मिट्टू कुमार उर्फ बिट्टू को 30 हजार रुपए घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

प्राइवेट होंगे मध्य प्रदेश के जिला अस्पताल

भोपाल: मध्य प्रदेश में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए अब प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों को जिला अस्पतालों से संबद्धता को लेकर राज्य सरकार नई नीति लेकर आई है। डॉक्टर्स के विरोध के बावजूद राज्य सरकार ने तय किया है कि जिला अस्पतालों को निजी कॉलेजों से संबद्ध किया जाएगा। इसके बाद जिला अस्पतालों का संचालन सरकारी और निजी हॉस्पिटल की समिति संयुक्त रूप से करेगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।

गोल्डी बराड़ से जुड़े ठिकानों पर एनआईए का छापा

हरियाणा और यूपी के आठ स्थानों पर तलाशी, संदिग्ध सामग्री बरामद

एजेंसी । गुरुग्राम

नेशनल इंवेस्टिगेटिव एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को हरियाणा और उत्तर प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बरार से जुड़े कई ठि कानों पर छापेमार कार्रवाई की है। यह कार्रवाई यह मामला दिसंबर 2024 में गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित वेयरहाउस क्लब और ह्यूमन क्लब पर हुए ग्रेनेड हमलों से संबंधित है। इसी मामले को लेकर एनआईए की टीमों ने विदेशी आतंकवादी गोल्डी बरार और अमेरिका स्थित गैंगस्टर रणदीप मलिक से जुड़े संदिग्धों और आरोपियों के परिसरों की गहन तलाशी ली है।

NIA को मिले कई सबूत

मंगलवार सुबह दोनों राज्यों के विभिन्न जिलों में 8 जगहों पर की गई तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। बम विस्फोट की घटना के पीछे की पूरी साजिश के सुराग के लिए एनआईए द्वारा सामग्री की जांच की जा रही है, जिसमें हमले में शामिल आरोपियों से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री जब्त की गई है।

गोल्डी बरार का नाम आया था सामने

ग्रेनेड हमले के तुरंत बाद, कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से जिम्मेदारी ली थी। एनआईए द्वारा की गई बाद की जांच में मलिक और नामित आतंकवादी गोल्डी बरार के नाम का खुलासा हुआ, जिसने पहले क्लब मालिकों को धमकी दी थी और उनसे पैसे ऐंठने के लिए बम ब्लास्ट किया था, जो इन ग्रेनेड हमलों का मास्टरमाइंड था। एनआईए ने 2 जनवरी 2025 को मामला दर्ज किया था जिसमें आगे जांच जारी है।

एनआईए किस मामले की कर रही जांच?

जानकारी दे दें कि दिसंबर 2024 में गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित वेयरहाउस क्लब और ह्यूमन क्लब पर हुए ग्रेनेड हमला किया गया था। विस्फोट ह्यूमन नाइट क्लब के बाहर सुबह करीब 5:15 बजे हुए और इसकी तस्वीरें पास के क्लब में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गईं। मामले में गुरुग्राम स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने आरोपी को गिरफ्तार किया था, जिसकी पहचान उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी सचिन के रूप में हुई थी।

जयपुर में तेज रफ्तार कार ने तीन को कुचला, मौत

हादसे में छह लोग गंभीर रूप से घायल, लोगों ने किया प्रदर्शन

जयपुर के नाहरगढ़ इलाके की घटना, नशे में धुत था चालक

कांग्रेस का जिला उपाध्यक्ष है आरोपी, पार्टी ने निकाला

सरकार ने मृतकों के परिजनों को ढाई-ढाई लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की

एजेंसी । जयपुर

जयपुर में सोमवार रात तेज रफ्तार कार ने भीड़ वाले इलाके में पैदल यात्रियों को कुचल दिया। इस दर्दनाक घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मंगलवार को पुलिस ने बताया कि कार कांग्रेस का जिला उपाध्यक्ष उस्मान खान चला रहा था और घटना के वक्त नशे में धुत था। फिलहाल, पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस बीच, घटना के बाद स्थानीय लोग नाहरगढ़ थाने में एकत्र हुए और पीड़ित परिवार के सदस्यों को आर्थिक मुआवजा, नौकरी और अन्य मदद देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने कई घंटे तक सड़कों पर जाम लगाया। घटना के बाद इलाके में रोष फैल गया और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नाहरगढ़ रोड और आसपास के इलाकों में चार थानों की पुलिस तैनात की गई। वहीं कांग्रेस ने आरोपी उस्मान के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पार्टी से निकाल दिया है।

सात किमी तक दौड़ाता रहा एसयूवी

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह शेखावत के मुताबिक, 62 वर्षीय आरोपी उस्मान अनियंत्रित एसयूवी कार को एमआई रोड से नाहरगढ़ पुलिस थाना इलाके की संकरी गलियों में लगभग सात किलोमीटर तक दौड़ाता रहा। इस बीच लगभग 500 मीटर तक जो भी सामने आया, उसको टक्कर मारता चला गया। पुलिस ने बताया कि कार चालक ने पहले संतोषी माता मंदिर के पास एक स्कूटी-बाइक को टक्कर मारी और फिर सड़क पर गिरे लोगों को कुचलते हुए आगे निकल गया। रास्ते में कई लोगों और वाहनों को टक्कर मार दी।

रुड़की की अवैध वीके फ्लोर मिल बंद होगी

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हरिद्वार जिले के रुड़की तहसील के ग्राम इमली खेड़ा में अवैध रूप से संचालित वीके फ्लोर मिल को तत्काल बंद करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी और न्यायमूर्ति आलोक कुमार मेहरा की खंडपीठ ने जिलाधिकारी हरिद्वार को शीघ्र कार्रवाई कर क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने को कहा है। साथ ही मिल मालिक को नोटिस जारी कर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड) से जवाब दाखिल करने को कहा गया है। हरिद्वार निवासी राजपाल सैनी की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट को बताया गया कि यह मिल उद्योग विभाग और पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की अनुमति के बिना चलाई जा रही है। जब विभागीय टीम ने जांच के दौरान लाइसेंस मांगा, तो मिल मालिक उसे दिखाने में विफल रहा और उल्टा अधिकारियों को धमकाकर भगा दिया। ग्रामीणों ने सीएम पोर्टल पर इस अवैध मिल की शिकायत की थी, जिसके बाद मामला राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तक पहुंचा। इसके बाद उद्योग विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मिल की जांच की थी। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से अधिवक्ता आदित्य प्रताप सिंह ने कोर्ट को बताया कि बोर्ड की दो बार जांच में यह सामने आया कि फ्लोर मिल न तो नॉइज पॉल्यूशन (ध्वनि प्रदूषण) और न ही वायु प्रदूषण मानकों का पालन कर रही थी।

पीआरडी जवानों को योगी सरकार की सौगात

ड्यूटी भत्ते में 26% बढ़ोतरी, अब मिलेंगे 500 रुपए प्रतिदिन

एजेंसी । लखनऊ

प्रदेश के पीआरडी स्वयंसेवकों के लिए योगी सरकार ने बड़ी राहत की घोषणा की है। ड्यूटी भत्ते में करीब 26 फीसदी की बढ़ोतरी करते हुए अब उन्हें प्रतिदिन 500 रुपए मिलेंगे। पहले यह भत्ता 395 रुपए था। मंगलवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। प्रदेश के 34 हजार से अधिक पीआरडी जवानों को इस फैसले का सीधा लाभ मिलेगा। सरकार के इस कदम से जवानों में उत्साह है और इसे बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

कैबिनेट बैठक में अन्य अहम प्रस्तावों को भी मिली मंजूरी

अयोध्या में मंदबुद्धि छात्रों के लिए डे केयर सेंटर को मंजूरी : जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को इसके लिए निशुल्क भूमि ट्रांसफर की जाएगी।

अयोध्या में 300 बेड के अस्पताल के लिए जमीन आवंटित : सीतापुर आई हॉस्पिटल की सरप्लस जमीन से 12,798 वर्ग मीटर भूमि निशुल्क दी जाएगी।

सहकारी समितियों की नियमावली में बदलाव : उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा विभाग में कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए नियमों में संशोधन। प्रमोशन की वजह से अधिकारी अधिक और स्टाफ कम हो गया था। अब 900 पदों पर निचले स्तर के कर्मचारी रखे जाएंगे और 150 पदों पर प्रमोशन किया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे पर इंटरचेंज और क्रॉसिंग का निर्माण : एनएचएआई बनाएगा इंटरचेंज, पूरा खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी। टोल शुल्क से होगी लागत की भरपाई। जमीन का स्वामित्व यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के पास रहेगा।

हाथरस में मेडिकल कॉलेज के लिए भूमि स्वीकृत : चिकित्सा शिक्षा विभाग को 6.67 हेक्टेयर जमीन हस्तांतरित करने की मंजूरी। यह भूमि दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ की है, जिसकी दर वर्ष 1987 के आधार पर तय की गई है। कुल 2 लाख 81 हजार 650 रुपए में जमीन का ट्रांसफर होगा।

सीएम योगी को जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

विरोधियों को फंसाने के लिए रची थी साजिश, खुद को बताया था पाकिस्तानी एजेंट

एजेंसी । लखनऊ

शाहजहांपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को डाक के जरिए जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अजीम ने यह साजिश अपने गांव के दो विरोधियों को फंसाने के इरादे से रची थी। उसने खुद को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI का एजेंट बताते हुए पुलिस को पत्र भेजा था, जिसमें 10 अप्रैल को सीएम योगी की हत्या की धमकी दी गई थी।

डाक से भेजा था धमकी भरा पत्र, दो लोगों के नाम भी लिखे

आरोपी ने एसपी कार्यालय को डाक के माध्यम से धमकी भरा पत्र भेजा था, जिसमें उसने आबिद और नफीस के नाम भी शामिल किए थे। पुलिस को मिली इस सूचना के बाद सदर बाजार थाने में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी अजीम को मंगलवार सुबह थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र में बनी गोशाला के पीछे से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि यह सब उसने निजी रंजिश के चलते किया। जांच में पता चला कि अजीम की भाभी ने प्रधानी चुनाव में नफीस और आबिद के समर्थित प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ा था। साथ ही अजीम के खिलाफ सीतापुर में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसमें आबिद और नफीस ने गवाही दी थी। इसी का बदला लेने के लिए उसने उन्हें फंसाने की साजिश रची। गिरफ्तारी के बाद अजीम को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की आगे भी जांच कर रही है।

व्यापार जगत

सोमवार को 15 लाख करोड़ डूबे, मंगलवार को बाजार संभला

1135 अंक चढ़कर शेयर बाजार बंद, सेंसेक्स-निफ्टी दोनों हरे निशान में

एजेंसी । मुंबई

ग्लोबल ट्रेड वॉर की आशंका से बीते कुछ सत्रों से दबाव में चल रहे घरेलू शेयर बाजार ने मंगलवार को जोरदार वापसी की। लगातार चार दिन की गिरावट के बाद आज बाजार में तेजी का माहौल रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों करीब 2 प्रतिशत तक उछले, हालांकि दिन के ऊपरी स्तरों से थोड़ी मुनाफा वसूली देखने को मिली। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,089.18 अंक की बढ़त के साथ 74,227.08 और निफ्टी 374.25 अंक चढ़कर 22,535.85 अंक पर बंद हुआ।

निवेशकों की संपत्ति में 7.42 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

आज के उछाल से निवेशकों की संपत्ति में भारी इजाफा हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 389.25 लाख करोड़ से बढ़कर 396.67 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस तरह एक दिन में निवेशकों की संपत्ति में 7.42 लाख करोड़ का इजाफा हुआ।

सभी सेक्टर्स में जबरदस्त खरीदारी

बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स आज मजबूती के साथ बंद हुए। खासकर कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, रियल्टी, पीएसयू बैंक, टेलीकॉम और मीडिया सेक्टर के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी देखी गई। एफएमसीजी, आईटी, मेटल, एनर्जी, टेक और हेल्थकेयर सेक्टर भी मजबूत बंद हुए। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही, बीएसई मिडकैप इंडेक्स 1.87% और स्मॉलकैप इंडेक्स 2.18% ऊपर बंद हुए।

व्यापारियों के लिए 'गेम चेंजर' बनी प्रधानमंत्री मुद्रा योजना: प्रवीन खंडेलवाल

10 वर्षों में 33.65 लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऋण वितरित

52 करोड़ से ज्यादा लाभार्थी

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की 10वीं वर्षगांठ पर कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने इसे देश के व्यापारी समुदाय के लिए 'गेम चेंजर' करार दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना ने उन लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ा, जो लंबे समय तक इससे वंचित थे।

'बिना गारंटी ऋण से सशक्त हुए छोटे व्यापारी'

खंडेलवाल ने कहा कि 8 अप्रैल 2015 को शुरू हुई यह योजना छोटे दुकानदारों, स्वरोजगार करने वालों और लघु व्यापारियों के लिए वरदान साबित हुई। शिशु, किशोर और तरुण श्रेणियों के तहत बिना किसी गारंटी के दिए गए ऋण से लाखों कारोबारियों को अपने व्यवसाय को बढ़ाने और कार्यशील पूंजी को मजबूत करने में मदद मिली।

कोविड जैसी आपदा में भी बना सहारा

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी जैसे कठिन दौर में भी मुद्रा योजना ने लाखों व्यापारियों को संभालने में मदद की। छोटे व्यापारियों के लिए जब औपचारिक ऋण व्यवस्था तक पहुंच मुश्किल थी, तब इस योजना ने वह खाली स्थान भरने का कार्य किया।

ट्रम्प ने मस्क के टैरिफ वापस लेने का प्रस्ताव ठुकराया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टेस्ला के CEO इलॉन मस्क के टैरिफ नीति को वापस लेने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक मस्क ने ट्रम्प से टैरिफ नीति में बदलाव करने की अपील की थी, लेकिन ट्रम्प ने इसे वापस लेने से मना कर दिया है। दरअसल इलॉन मस्क, ट्रम्प से जीरो टैरिफ जोन की डिमांड कर रहे हैं। मस्क ने इटली में एक कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अमेरिका और यूरोप को जीरो टैरिफ पॉलिसी अपनानी चाहिए। उन्होंने ट्रंप की टैरिफ नीति को अव्यवहारिक बताया था। रेसिप्रोकल टैरिफ के एलान के बाद इलॉन मस्क की नेटवर्थ करीब 94 हजार करोड़ रुपए कम हुई है। 2025 की शुरुआत से अब तक ये 9.4 लाख करोड़ रुपए कम हुई है।

एक मई से होगा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का विलय

सरकार ने 26 आरआरबी के एकीकरण को दी मंजूरी

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB) के विलय के चौथे चरण को मंजूरी देते हुए इसे अधिसूचित कर दिया है। इसके तहत देश के 11 राज्यों में कार्यरत 26 आरआरबी का एक मई 2025 से एकल इकाई में विलय कर दिया जाएगा। यह कदम 'एक राज्य-एक आरआरबी' के सिद्धांत को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

अब 43 की जगह सिर्फ 28 आरआरबी रहेंगे

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, इस विलय के बाद देश में आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 रह जाएगी। इससे आरआरबी की कार्यकुशलता में सुधार और सुव्यवस्थित बैंकिंग सेवाओं का विस्तार संभव होगा। विलय का प्रभाव 11 राज्यों - आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान - में होगा। इन सभी राज्यों में मौजूद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को एक इकाई के रूप में एकीकृत किया जाएगा। वर्तमान में 26 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में 43 आरआरबी कार्यरत हैं। विलय के बाद 700 जिलों में 22,000 से अधिक शाखाओं के साथ ये बैंक काम करेंगे। इनमें से लगभग 92 फीसदी शाखाएं ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में होंगी।

तीन कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

आय फाइनेंस, ब्लूस्टोन और जीके एनर्जी जुटाएंगी पूंजी

एजेंसी । मुंबई

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने तीन कंपनियों—आय फाइनेंस लिमिटेड, ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल और जीके एनर्जी लिमिटेड—को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) लाने की मंजूरी दे दी है। ये तीनों कंपनियां आईपीओ के जरिये पूंजी जुटाकर अपने विस्तार और कारोबारी जरूरतों को पूरा करेंगी।

ब्लूस्टोन का 1,000 करोड़ रुपए का आईपीओ

बेंगलुरु स्थित ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल को भी सेबी से हरी झंडी मिल गई है। यह कंपनी 1 रुपए अंकित मूल्य के शेयरों के साथ 1,000 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी करेगी और इसके साथ 2.39 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश की जाएगी। कंपनी अपने ब्रांड ₹Bluestone₹ के तहत डायमंड, गोल्ड, प्लेटिनम और स्टडेड ज्वेलरी की बिक्री करती है। जीके एनर्जी लिमिटेड अपने आईपीओ में 500 करोड़ रुपए तक के नए शेयर और 84 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश लाएगी। इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों के लिए आरक्षण भी शामिल है। कंपनी ने सेबी के पास 13 दिसंबर 2024 को दस्तावेज दाखिल किए थे।

आय फाइनेंस जुटाएगी 1,450 करोड़ रुपए

गुरुग्राम स्थित आय फाइनेंस लिमिटेड, जो एमएसएमई क्षेत्र को ऋण देने वाली एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, अपने आईपीओ से 1,450 करोड़ रुपए जुटाएगी। इसमें 885 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी होंगे, जबकि 565 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (OFS) कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत शेयरधारकों द्वारा की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

मद्रास इंटरनेशल कार्टिंग एरेना दुनिया की शीर्ष सूची में

चेन्नई। मद्रास इंटरनेशल कार्टिंग एरेना (एमआईकेए) को सीआईके-फिया ग्रेड एक प्रमाण मिला है जिससे यह सर्किट दुनिया के शीर्ष कार्टिंग सर्किट की सूची में शामिल हो गया है। श्रीपेरंबदूर स्थिति एमआईकेए भारत का पहला कार्टिंग सर्किट है जिसे ग्रेड एक प्रमाण पत्र मिला है। यह सर्किट 1.17 किमी लंबा है जो भारत का सबसे लंबा कार्टिंग ट्रैक है। यह प्रतिस्पर्धी रेसिंग के अलावा कॉरपोरेट और अन्य गतिविधियों के लिए भी उपयुक्त है। मद्रास मोटर स्पोर्ट्स क्लब ने मंगलवार को कहा, ट्रैक को पहले ही शानदार समीक्षा मिल चुकी है जिसमें तीखे मोड़, तेज गति हासिल करने वाला सीधा ट्रैक और ऊंचाई में बदलाव शामिल हैं।

राष्ट्रीय हॉकी में खिलाड़ियों के लिए अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने उत्तर प्रदेश के झांसी में चल रही सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खिलाड़ियों को चिकित्सा और रिकवरी में सहयोग के लिए अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ भेजा है। इसमें एक फिजियो और एक मालिशिया शामिल है। चैंपियनशिप में 31 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें हार्दिक सिंह, जरमनप्रीत सिंह, कृशन बी पाठक, अभिषेक, अमित रोहिदास, सुमित, गुरजंत सिंह और संजय शामिल हैं। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने मंगलवार को बयान में कहा, अधिकांश स्थानीय टीमों के पास फिजियो या मेडिकल स्टाफ नहीं होता लेकिन हमारे राष्ट्रीय खिलाड़ियों को पेशेवर ढांचे की आदत है। हमारा लक्ष्य चोटों से बचाव करना और खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए माहौल देना है।

गैरी स्टीड ने छोड़ा न्यूजीलैंड के सीमित ओवरों का कोच पद

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के प्रमुख कोच गैरी स्टीड ने मंगलवार को वनडे और टी-20 प्रारूपों के कोच पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह अब केवल टेस्ट क्रिकेट में अपने भविष्य पर विचार कर रहे हैं और इस पर अंतिम निर्णय लेने में उन्हें करीब एक महीने का समय लग सकता है गैरी स्टीड ने 2018 में माइक हेसन के बाद न्यूजीलैंड के हेड कोच का कार्यभार संभाला था और वह सभी प्रारूपों में टीम की कमान संभाल रहे थे। उनके कार्यकाल में न्यूजीलैंड ने 2019 वनडे वर्ल्ड कप, 2022 टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई थी। इसके अलावा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पहले संस्करण में टीम को खिताबी जीत भी मिली थी।

गुजरात की निगाह जीत के चौके पर

गुजरात टाइटंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से

एजेंसी । अहमदाबाद

आईपीएल में बुधवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। गुजरात की निगाह इस मैच में जीत की हैट्रिक लगाने पर है, लेकिन अहमदाबाद की बल्लेबाज़ी के लिए मशहूर पिच पर दोनों टीमों के गेंदबाज़ों की परीक्षा होगी। यहां अब तक चार पूर्ण पारियों में क्रमशः 243, 232, 196 और 160 रन बने हैं।

आमने-सामने
कुल मैच : 6
गुजरात जीता : 5
राजस्थान जीता : 1

गुजरात की बैटिंग लाइन-अप में है दम

गुजरात की बल्लेबाजी इस समय उसकी सबसे बड़ी ताकत है। टीम के पास शुभमन गिल, जोस बटलर, रदरफोर्ड और साई सुदर्शन जैसे तूफानी बल्लेबाज़ हैं। हालाँकि, टीम को अपने गेंदबाज़ों से भी बेहतर प्रदर्शन की दरकार है।

गेंदबाज़ी बनी चिंता का विषय

गुजरात के लिए अब तक सिर्फ मोहम्मद सिराज और स्पिनर साई किशोर ही प्रभावी रहे हैं। स्टार स्पिनर राशिद खान अब तक चार मैचों में सिर्फ एक विकेट ले पाए हैं और उनका इकॉनमी रेट प्रति ओवर 10 से ऊपर रहा है। इशांत शर्मा भी कुछ खास नहीं कर सके हैं और उन्होंने प्रति ओवर 12 रन खर्च किए हैं। टीम के पास विकल्प के तौर पर अरशद खान और फजलहक फारूकी हैं, लेकिन अब तक वे भी खास असर नहीं छोड़ सके हैं।

राजस्थान के बल्लेबाजों की फॉर्म में वापसी

राजस्थान की टीम इस समय शानदार फॉर्म में है। संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल, रियान पराग और नितीश राणा जैसे बल्लेबाजों की स्ट्राइक रेट 150 से अधिक है। यशस्वी जायसवाल ने पंजाब के खिलाफ 67 रन बनाकर लय में लौटने के संकेत दिए हैं। राजस्थान की सबसे बड़ी चिंता उसकी गेंदबाज़ी है। सिर्फ संदीप शर्मा ने निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले मैच में जोफ्रा आर्चर ने जरूर तीन विकेट झटके थे, लेकिन टीम को उनसे लगातार ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

श्रेयस मार्च के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के लिए नामित

▶▶ रचिन रविंद्र और जैकब डफी के साथ हुई नामांकन की घोषणा

एजेंसी । दुबई

भारत के मिडल ऑर्डर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को आईसीसी ने मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए नामांकित किया है। उनके साथ न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और जैकब डफी को भी इस सूची में जगह मिली है। श्रेयस अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पांच मैचों में दो अर्धशतक की मदद से 243 रन बनाए। मार्च में खेले गए तीन वनडे मुकाबलों में अय्यर ने 57.33 की औसत से 172 रन बनाए और टूर्नामेंट में भारत के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने।

रचिन और डफी का प्रदर्शन भी रहा दमदार

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने मार्च में चार मैचों में दो शतक समेत 263 रन बनाए और तीन विकेट भी चटकाए। वहीं, टी-20 के नंबर एक गेंदबाज जैकब डफी ने मार्च महीने में 6.17 की इकोनॉमी रेट से 13 विकेट लिए। आईसीसी ने मार्च महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर के लिए अमेरिका की चेतना प्रसाद, ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वोल को नामांकित किया है।

आरसीबी जानता है, जीत के लिए क्या करना है : गावस्कर

एजेंसी । मुंबई

अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि उनके सहज रवैए ने टीम के लिए सफलता की राह खोजने में मदद की है। टीम मौजूदा सत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने चेपॉक में 17 साल में पहली जीत हासिल की और वानखेड़े स्टेडियम में छह मैचों की हार का सिलसिला खत्म किया है। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, कप्तान के रूप में पाटीदार सहज नजर आते हैं। अब उसके खिलाड़ी समझते हैं कि जीतने के लिए क्या करने की जरूरत है। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम से जुड़े अन्य लोग भी पूरा योगदान दे रहे हैं।

कोहली बड़ा खतरा बने

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि विराट कोहली की लंबे शॉट खेलने की इच्छा ने उन्हें और भी बड़ा खतरा बना दिया है। उन्होंने कहा, पहले वह अपनी पारी में बाद में इस तरह के शॉट खेलता था लेकिन अब वह पहली गेंद से जोखिम लेना चाहता है और इससे बहुत बड़ा अंतर आ रहा है।

अंतिम एकादश में बहुत अधिक बदलाव नहीं करेंगे : जयवर्धने

एजेंसी । मुंबई

मुंबई इंडियंस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब तक अपने पांच में से चार मैच हार चुकी है। इसके बावजूद मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने अंतिम एकादश में बहुत अधिक बदलाव करने से इनकार कर दिया है। सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से 12 रन की हार के बाद उन्होंने कहा है कि वह सीनियर खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने कहा, परिणाम भले ही हमारे अनुकूल नहीं रहे हैं लेकिन इसके साथ आपको यह स्वीकार करना होगा कि हमने कुछ अच्छी क्रिकेट खेली है। मैं अब भी सीनियर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखने का समर्थन करूंगा। मैं उन सभी

खिलाड़ियों का समर्थन करूंगा जिन पर हमने भरोसा दिखाया है। उनके पास कौशल है लेकिन हमें थोड़ा अधिक निर्मम होने की जरूरत है।

खुद पर संदेह होगा

जयवर्धने ने कहा कि आठवें स्थान पर मौजूद मुंबई की अंतिम एकादश में नए चेहरों को लाना भी सही तरीका नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा, हारना कोई अच्छी बात नहीं है। इससे आप खुद पर संदेह करना शुरू कर देते हैं और कभी-कभी एक नए चेहरे को इस तरह की स्थिति में टीम में लाना, अनुभव के बिना उस (खिलाड़ी) के लिए और भी मुश्किल पैदा कर सकता है। मुंबई के मुख्य कोच ने कहा, जिन लोगों के पास अनुभव है, (वे) मुश्किल परिस्थितियों को संभालना और आगे चलकर मानसिक रूप से मजबूत होना जानते हैं।

काशवी, चरणी और शुचि पहली बार वनडे टीम में

▶▶ श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान

▶▶ कप्तान हरमनप्रीत, स्नेह, यास्तिका और अरुंधति की वापसी

एजेंसी । नई दिल्ली

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन करने वाली तेज गेंदबाज काशवी गौतम और बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी को पहली बार भारत की राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इन दोनों के अलावा शुचि उपाध्याय भी वनडे टीम में नया चेहरा होंगी। बीसीसीआई की महिला चयन समिति ने हरमनप्रीत कौर की अगुआई में श्रीलंका में 27 अप्रैल से 11 मई तक होने होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के

लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित की। स्मृति मंधाना उप कप्तान होंगी। टूर्नामेंट की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका होगी। हरमनप्रीत को जनवरी में आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए आराम दिया गया था। दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान हरमन के घुटने में चोट लगी थी। उन्होंने पिछले महीने डब्ल्यूपीएल में वापसी की थी। मुंबई की टीम उनकी कप्तानी में चैंपियन बनी थी।

शेफाली को फिर जगह नहीं

ओपनर शेफाली वर्मा की फिर टीम में जगह नहीं मिली है। वह पिछले साल अक्तूबर के बाद से टीम से बाहर चल रही हैं। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने डब्ल्यूपीएल में 152.76 की स्ट्राइक रेट से 304 रन बनाए थे। वह सर्वाधिक रन बनाने वाले में चौथे नंबर पर थी। चोटिल होने के कारण तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और टिटास साधु के नाम पर विचार नहीं किया गया। रेणुका आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में भी बाहर थीं।

टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, रिचा घोष, यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काशवी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, तेजल हसब्निस, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय।

त्रिकोणीय सीरीज का कार्यक्रम

27 अप्रैल : भारत बनाम श्रीलंका
29 अप्रैल : भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका
2 मई : श्रीलंका नाम दक्षिण अफ्रीका
4 मई : भारत बनाम श्रीलंका
7 मई : भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका
9 मई : श्रीलंका बनाम दक्षिण अफ्रीका
11 मई : फाइनल

चोटों से जूझते हुए विल पुकोवस्की ने क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी । मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज विल पुकोवस्की ने मंगलवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। उन्होंने एसईएन रेडियो से बातचीत में यह जानकारी देते हुए कहा कि यह उनके लिए बेहद कठिन साल रहा है और वह अब किसी भी स्तर पर क्रिकेट नहीं खेलेंगे।

चोटों ने बाधित किया करियर

27 वर्षीय पुकोवस्की ने 2021 में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। उनका करियर लगातार सिर की चोटों और कन्कशन से प्रभावित रहा। पिछले साल शेफील्ड शील्ड के एक मुकाबले में तस्मानिया के खिलाफ खेलते समय रिले मेरेडिथ की गेंद उनके हेलमेट पर लगी, जिसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। उसी चोट के बाद एक स्वतंत्र मेडिकल पैनल ने उन्हें क्रिकेट से संन्यास लेने की सलाह दी थी।

बॉलीवुड

अल्लू अर्जुन ने एटली के साथ नई फिल्म का किया ऐलान

अल्लू अर्जुन ने भले ही कई फिल्मों में दमदार अभिनय किया हो, लेकिन 'पुष्पा' ने उन्हें रातों-रात राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इस फिल्म के बाद वे देशभर के चहेते स्टार बन गए। इसके बाद आई 'पुष्पा 2' ने उनकी लोकप्रियता को और भी ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया और उन्हें सुपरस्टार के मुकाम पर ला खड़ा किया। अल्लू अर्जुन अपने फैंस को एक बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने अपने नई फिल्म का ऐलान कर सबको चौंका दिया है। काफी समय से ऐसी चर्चाएं थीं कि अल्लू अर्जुन ने अपनी अगली फिल्म के लिए मशहूर निर्देशक एटली के साथ हाथ मिला लिया है। अब उनके जन्मदिन के खास मौके पर इस फिल्म का आधिकारिक ऐलान भी कर दिया गया है। इस बड़े प्रोजेक्ट का निर्माण सन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है, और फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। खबरों के मुताबिक, अल्लू अर्जुन को इस फिल्म के लिए प्रोडक्शन हाउस से करीब 175 करोड़ रुपये की भारी-भरकम फीस मिल रही है, जो उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी डील मानी जा रही है।

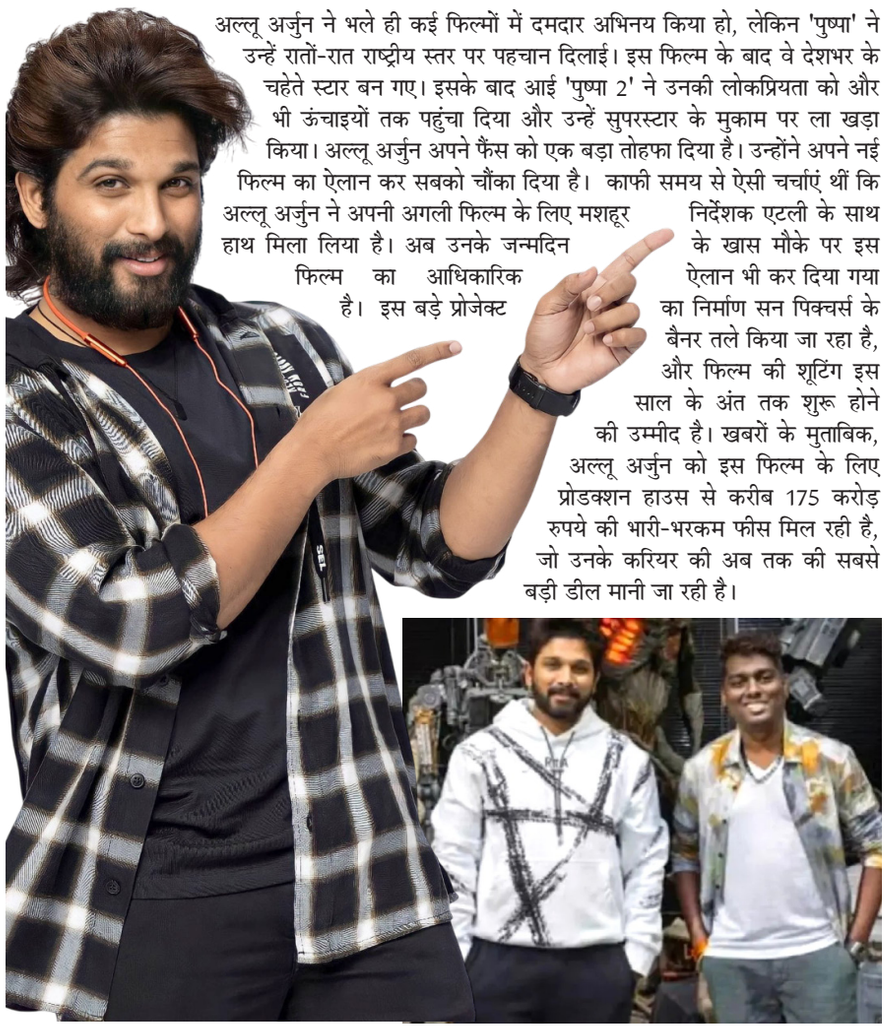

फिल्म 'रेड-2' 1 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, ट्रेलर जारी

अजय देवगन को पिछली बार फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब अजय देवगन एक बार फिर धाकड़ अंदाज़ में वापसी करने को तैयार हैं और इस बार वह 'रेड-2' के जरिए बड़े पर्दे पर दस्तक देंगे। यह फिल्म इस साल की मोस्ट अवेटेड सीक्वल्स में से एक मानी जा रही है। लंबे इंतज़ार के बाद अब 'रेड-2' का दमदार ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। ट्रेलर में अजय एक बार फिर अपने सख्त और ईमानदार ऑफिसर के रूप में नजर आ रहे हैं, जो भ्रष्टाचारियों के खिलाफ बेखौफ जंग छेड़ते हैं। 'रेड-2' की कहानी एक बार फिर आयकर विभाग की हाई-प्रोफाइल छापेमारी पर आधारित है, जो सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर है। अजय देवगन (आईआरएस) अधिकारी अमय पटनायक के किरदार में एक बार फिर जबरदस्त अंदाज में वापसी कर रहे हैं। उनके सख्त तेवर और दमदार डायलॉग्स ने ट्रेलर से ही लोगों का दिल जीत लिया है। इस बार अजय का आमना-सामना होगा रितेश देशमुख से, जो फिल्म में एक धूर्त और ताकतवर नेता 'दादा भाई' की भूमिका में नजर आएंगे। रितेश का ये निगेटिव रोल लोगों को काफी इम्प्रेस कर रहा है। फिल्म में वाणी कपूर पहली बार अजय देवगन के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। वह अमय की पत्नी के किरदार में दिखाई देंगी और दोनों की केमिस्ट्री को लेकर भी फैंस में उत्साह है।

'स्त्री-2' के निर्देशक ने कान पकड़कर श्रद्धा कपूर से मांगी माफी

2024 में रिलीज हुई फिल्म 'स्त्री-2' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही। फिल्म 'स्त्री-2' का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। श्रद्धा कपूर ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई। अपनी सरल और खूबसूरत कहानी और कलाकारों के दमदार अभिनय के कारण सभी को 'स्त्री-2' बहुत पसंद आई। 'स्त्री-2' के डायरेक्टर अमर कौशिक और श्रद्धा कपूर हाल ही में मुंबई में मैडॉक फिल्म्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में एकत्रित हुए। उस समय अमर कौशिक ने कान पकड़कर श्रद्धा से माफी मांगी। जब श्रद्धा कपूर और अमर कौशिक हाल ही में मैडॉक फिल्म्स के एक इवेंट में पहुंचे, तो वहां दोनों की केमिस्ट्री ने सभी का ध्यान खींचा। अमर थोड़े मज़ाकिया मूड में थे और श्रद्धा भी पूरे फॉर्म में थीं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, ₹वह इस समय बहुत मजाक कर रहा है और पपराज़ी भी हंस पड़े। इसी दौरान श्रद्धा की चुटकी और ट्रोलिंग के दबाव के बीच अमर कौशिक ने कान पकड़कर माफी मांगी, जो एक फनी मोमेंट बन गया। श्रद्धा ने भी मौके का पूरा फायदा उठाया और उन्हें हल्के अंदाज़ में थोड़ा स्पिन दे दिया।

टीवी जगत

स्टार प्लस ला रहा है 'कभी नीम-नीम कभी शहद शहद'

स्टार प्लस ने अपने इमोशनल ड्रामाज, यादगार किरदारों और दिल छू लेने वाली कहानियों से हमेशा दर्शकों के दिल में एक खास मुकाम बनाया है। चाहे वो प्रेम कहानियां हों, पारिवारिक रिश्तों की गहराई हो या जीवन की जटिलताओं से जूझते किरदार-हर बार चैनल ने टेलीविज़न की दुनिया में एक नया मापदंड स्थापित किया है। अब उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, स्टार प्लस एक नई पेशकश लेकर आ रहा है। 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद'। यह शो एक अनोखी प्रेम कहानी को दर्शाएगा, जो अपने भावनात्मक पहलुओं और गहराई से दर्शकों के दिल को छूने का वादा करता है। 21 अप्रैल से हर रात 7 बजे देखिये सिर्फ स्टार प्लस पर 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद',

'आप संविधान से चलें, पार्टियों की मर्जी से नहीं'

तमिलनाडु के 10 बिल रोकने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

राज्यपाल के फैसले को बताया अवैध

एजेंसी | नई दिल्ली

तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोके जाने को अवैध बताया है। कोर्ट ने कहा कि यह मनमाना कदम है और कानून के नजरिए से सही नहीं। राज्यपाल को राज्य की विधानसभा को मदद और सलाह देनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों के लिए बिल पर काम करने की टाइमलाइन तय कर दी है। कहा कि विधानसभा से पास बिल पर राज्यपाल एक महीने के भीतर कदम उठाएं।

"राज्यपाल को एक दोस्त, दार्शनिक और राह दिखाने वाले की तरह होना चाहिए। आप संविधान की शपथ लेते हैं। आपको किसी राजनीतिक दल की तरफ से संचालित नहीं होना चाहिए। आपको उत्प्रेरक बनना चाहिए, अवरोधक नहीं। राज्यपाल को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कोई बाधा पैदा न हो।
- सुप्रीम कोर्ट

तमिलनाडु सरकार की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई हुई थी। इसमें कहा गया था कि राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य के जरूरी बिलों को रोककर रखा है। बता दें कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) में काम कर चुके पूर्व IPS अधिकारी आरएन रवि ने 2021 में तमिलनाडु के राज्यपाल का पद संभाला था।

स्टालिन बोले- सभी राज्य सरकारों की जीत हुई

CM एमके स्टालिन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ तमिलनाडु नहीं, बल्कि पूरे देश की राज्य सरकारों की जीत है। अब ये बिल राज्यपाल की मंजूरी वाले माने जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट के 2 कमेंट

- 1. जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि राज्यपाल द्वारा इन 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजना अवैध और मनमाना है। यह कार्रवाई रद्द की जाती है। राज्यपाल की सभी कार्रवाई अमान्य है।
- 2. बेंच ने कहा कि राज्यपाल रवि ने भले मन से काम नहीं किया। इन बिलों को उसी दिन से मंजूर माना जाएगा, जिस दिन विधानसभा ने बिलों को पास करके दोबारा राज्यपाल को भेजा गया था।

सुप्रीम कोर्ट के 2 निर्देश

- 1. सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल को निर्देश दिया कि उन्हें अपने विकल्पों का इस्तेमाल तय समय-सीमा में करना होगा, वरना उनके उठाए गए कदमों की कानूनी समीक्षा की जाएगी।
- 2. कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल बिल रोकें या राष्ट्रपति के पास भेजें, उन्हें यह काम मंत्रिपरिषद की सलाह से एक महीने के अंदर करना होगा। विधानसभा बिल को दोबारा पास कर भेजती है, तो राज्यपाल को एक महीने के अंदर मंजूरी देनी होगी।

तमिलनाडु सरकार ने विशेष सत्र में पारित किए गए थे बिल

राज्यपाल आरएन रवि ने तमिलनाडु सरकार की ओर से पारित 12 में से 10 बिलों को 13 नवंबर 2023 को बिना कारण बताए विधानसभा में लौटा दिया था और 2 बिलों को राष्ट्रपति के पास भेज दिया था। इसके बाद 18 नवंबर को तमिलनाडु विधानसभा के विशेष सत्र में इन 10 बिलों को फिर से पारित किया गया और गवर्नर की मंजूरी के लिए गवर्नर सेक्रेटेरिएट भेजा गया। बिल पर साइन न करने का विवाद नवंबर 2023 में भी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच था। सुप्रीम कोर्ट में लगी याचिका में राज्य सरकार ने मांग की कि राज्यपाल इन सभी बिलों पर जल्द से जल्द सहमति दें। याचिका में कहा गया है कि राज्यपाल का ये रवैया गैरकानूनी है और इन बिलों को लटकाने, अटकाने से डेमोक्रेसी की हार होती है। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई में कहा था- मुद्दा सुलझाने के लिए गवर्नर को सीएम के एक साथ बैठकर चर्चा करनी चाहिए।

दस वर्ष बाद दिखा मौत की सजा का सबसे बुरा दौर

पिछले वर्ष 1518 लोगों को दी गई फांसी

एमनेस्टी इंटरनेशनल की वार्षिक रिपोर्ट में सामने आई जानकारी

एजेंसी | लंदन

2024 में पूरी दुनिया में फांसी की सजा पाने वालों की संख्या पिछले एक दशक में सबसे ज्यादा रही। एमनेस्टी इंटरनेशनल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस बढ़ोतरी के पीछे मुख्य रूप से ईरान, इराक और सऊदी अरब में फांसी की घटनाओं में आई तेजी है।

91% फांसियां सिर्फ तीन देशों में

- 1. ईरान : 2023 के मुकाबले 119 अधिक लोगों को फांसी दी गई और कुल आंकड़ा 972 तक पहुंच गया
- 2. सऊदी अरब : यहां 2023 में 172 लोगों को फांसी दी गई थी, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़कर 345 हो गई
- 3. इराक: 2023 में 16 लोगों को मौत की सजा दी गई थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 63 हो गया

2023 के मुकाबले 32% ज्यादा फांसी

मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि 2024 में कुल 1,518 लोगों को फांसी दी गई, जो 2023 के मुकाबले 32 फीसदी अधिक है। यह आंकड़ा 2015 के बाद सबसे ज्यादा है, जब 1,634 लोगों को मौत की सजा दी गई थी।

कम हुए फांसी लागू करने वाले देश

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि भले ही फांसी देने वाले देशों की संख्या ऐतिहासिक रूप से कम हुई हो, लेकिन कुछ देशों में इसका प्रयोग तेजी से बढ़ा है।

चीन और उत्तर कोरिया के आंकड़े नहीं हुए शामिल

एमनेस्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि चीन, उत्तर कोरिया और वियतनाम में हुई फांसियों का आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे असली संख्या कहीं ज्यादा हो सकती है। चीन को दुनिया में सबसे अधिक फांसी देने वाला देश माना जाता है, लेकिन वहां इस विषय पर पूरी गोपनीयता बरती जाती है।

न्यूज़ ब्रीफ

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। पुलिस ने इंफाल में प्रतिबंधित संगठनों के दो उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। वहीं तलाशी अभियान में भारी मात्रा में गोला - बारूद भी बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार इंफाल पूर्व में प्रतिबंधित संगठनों युनाइटेड पीपल्स पार्टी ऑफ कांगलेइपाक व प्रेपक के एक- एक सक्रिय कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया। वहीं चुड़ाचांदपुर, कांगपोकपी और इंफाल पूर्व में विभिन्न स्थानों पर चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान भारी संख्या में हथियार व गोला - बारूद भी बरामद किए गए हैं।

मेघालय के प्रधान सचिव उज्बेकिस्तान के होटल में मृत मिले

शिलांग। मेघालय सरकार के प्रधान सचिव सैयद मोहम्मद ए. रजी उज्बेकिस्तान के एक होटल के कमरे में कथित तौर पर मृत पाए गए। वह निजी दौरे पर वहां गए थे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रजी भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) के अधिकारी थे और वर्ष 2021 से मेघालय सरकार में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत थे। वह चार अप्रैल से उज्बेकिस्तान के बुखारा शहर में ठहरे हुए थे। अधिकारियों के अनुसार ऐसा संदेह है कि उनकी मृत्यु हृदयाघात से हुई।

मणिपुर में वक्फ संशोधन बिल पर जगह - जगह प्रदर्शन

इंफाल। मणिपुर के विभिन्न क्षेत्रों में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए गए। बिष्णुपुर जिले के क्वाकता इलाके में बड़ी संख्या में लोग संशोधन बिल को तत्काल वापिस लेने की मांग संबंधी स्लोगन लेकर सड़कों पर उतरे और 4 किलोमीटर लंबी रैली निकाली। इस दौरान महिलाओं ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने बिल को संविधान का उल्लंघन करार दिया और इसके अल्पसंख्यक विरोधी होने का आरोप लगाया। इंफाल पूर्व के खुमीडोक में भी प्रदर्शनकारियों ने मानव श्रृंखला बनाकर बिल का विरोध किया और उसे तत्काल वापिस लेने की मांग की।

मानहानि मामला

मेधा पाटकर को मिली राहत

एक साल की परिवीक्षा में रहेंगी पाटकर

दस लाख रुपए की जुर्माना राशि को घटाकर अदालत ने किया एक लाख

एजेंसी | नई दिल्ली

नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर को साकेत जिला अदालत से बड़ी राहत मिली है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल सिंह की अदालत ने मेधा को एक साल के लिए परिवीक्षा (प्रोबेशन) पर रिहा करने का आदेश दिया है। साल 2000 में दर्ज मामले में अपनी दोषसिद्धि और पांच महीने की सजा के खिलाफ पाटकर द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि उन्होंने पाटकर की उम्र, अपराध की गंभीरता और इस बात को ध्यान में रखा है कि उन्हें पहले कभी दोषी नहीं ठहराया गया है। अदालत ने 70 वर्षीय पाटकर पर लगाए गए जुर्माने की राशि को भी 10 लाख रुपए से घटाकर एक लाख रुपए कर दिया। बता दें कि मेधा पाटकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश हुई थीं। इससे पहले अदालत ने उनकी दोष सिद्धि को बरकरार रखा था।

अपमानजनक प्रेस विज्ञप्ति के लिए दायर किया था मामला

वीके सक्सेना ने 24 नवंबर, 2000 को पाटकर द्वारा अपने खिलाफ अपमानजनक प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के लिए नेशनल काउंसिल आफ सिविल लिबर्टीज के अध्यक्ष के रूप में मामला दायर किया था। पिछले साल 24 मई को, एक मजिस्ट्रेट अदालत ने पाया था कि पाटकर द्वारा सक्सेना को 'कायर' कहने और हवाला लेनदेन में उनकी संलिप्तता का आरोप लगाने वाले बयान न केवल अपने आप में अपमानजनक थे।

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। पुलिस ने इंफाल में प्रतिबंधित संगठनों के दो उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। वहीं तलाशी अभियान में भारी मात्रा में गोला - बारूद भी बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार इंफाल पूर्व में प्रतिबंधित संगठनों युनाइटेड पीपल्स पार्टी ऑफ कांगलेइपाक व प्रेपक के एक- एक सक्रिय कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया। वहीं चुड़ाचांदपुर, कांगपोकपी और इंफाल पूर्व में विभिन्न स्थानों पर चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान भारी संख्या में हथियार व गोला - बारूद भी बरामद किए गए हैं।

हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज को मिलेंगे मुफ्त बिजली, पेट्रोल : संगमा

एजेंसी | शिलांग

मेघालय सरकार हाईकोर्ट के सभी सेवानिवृत्त जज को निशुल्क बिजली व पेट्रोल देने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव को केबिनेट से मंजूरी मिल गई है। प्रस्ताव के तहत हाईकोर्ट के सभी सेवानिवृत्त जज को प्रतिमाह 1000 युनिट तक बिजली व 100 लीटर पेट्रोल मुफ्त दिए जाने का प्रावधान है। वहीं प्रतिमाह 4200 रुपए को मोबाइल फोन रिचार्ज भी प्रदान किया जाएगा। संगमा ने बताया कि केबिनेट की बैठक में कई अन्य मुद्दों पर भी मुहर लगी जिनमें सेवानिवृत्त मुख्य सचिव पी.एस. थंगख्यू को मेघालय किसान सशक्तिकरण आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया जाना भी शामिल है। वहीं प्रदेश में लोकायुक्त की नियुक्ति के लिए एक जांच आयोग का भी गठन किया गया है।

बैंक घोटाले में ईडी की 10 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी

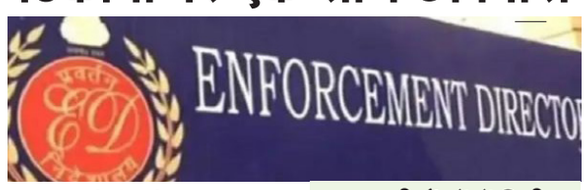

एजेंसी | बेंगलुरु

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जिला सहकारी बैंक घोटाले के सिलसिले में कर्नाटक के बेंगलुरु और शिवमोग्गा में स्थित 10 ठिकानों पर मंगलवार को छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत की गई है।

सहकारी बैंकों में वित्तीय अनियमितताओं की जांच

ईडी सूत्रों के अनुसार, छापेमारी का मकसद सहकारी बैंकों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित सबूत जुटाना है। जांच एजेंसी को बेंगलुरु के तीन सहकारी बैंकों में करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की सूचना मिली थी, जिसके बाद यह कदम उठाया गया।

चुनाव में दुष्प्रचार फैलाने वालों की खैर नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

चुनाव के दौरान झूठ और दुष्प्रचार की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए चुनाव आयोग ने इससे निपटने की व्यवस्था को अब और सशक्त बनाने का फैसला लिया है। इस दिशा में सभी राज्यों में जल्द ही एक मजबूत सेल गठित करने का फैसला लिया गया है, जिसमें चुनाव से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंटरनेट मीडिया पर नजर रखने के लिए विशेषज्ञों की तैनाती दी जाएगी। जो न सिर्फ इंटरनेट मीडिया पर फैलाए जाने वाले झूठ व दुष्प्रचार पर पैनी नजर रखेंगे बल्कि झूठ के इस गुब्बारे को नजर आते ही तुरंत नष्ट भी करेंगे।

इंटरनेट पर निगरानी रखने के लिए होगा प्रशिक्षण

आयोग ने इसके साथ ही सभी राज्यों में इंटरनेट मीडिया पर नजर रखने के लिए तैनात अमले को इससे निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण भी देने की योजना बनाई है। जो नौ अप्रैल से शुरू होगी। इस प्रशिक्षण में अमले को इंटरनेट मीडिया पर निगरानी रखने सहित उनके फैलाव को रोकने के तरीके और उससे जुड़ी सही जानकारी मतदाताओं तक पहुंचाने की बारीकियों से अवगत कराया जाएगा।

दुष्प्रचार फैलाने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

आयोग ने झूठ व दुष्प्रचार में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने जैसे कदम उठाने के भी निर्देश दिए है। आयोग ने इसके साथ ही राज्यों को इससे निपटने वाले अमले को बढ़ाने के भी निर्देश दिए है। ज्यादातर राज्यों में इसके लिए एक-दो सदस्यों की ही टीम है। आयोग से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में इसकी सक्रियता को परखने की भी योजना बनाई है।

मौसम की मार यूरोप के कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस ने जारी किया मासिक बुलेटिन

दुनियाभर में अबतक का सबसे गर्म रहा मार्च का महीना

21 महीनों में से बीस महीनों में तापमान की चाल तेज

47 साल में पहली बार इस तरह का नतीजा दिखा है

एजेंसी | लंदन

दुनियाभर में गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। यूरोपीयन यूनियन के कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सीसीसीएस) के मासिक बुलेटिन के अनुसार दुनियाभर में वर्ष 2024 के बाद इस साल का मार्च अबतक का सबसे अधिक गर्म महीना रहा है। इसी तरह वर्ष 2014 के बाद यूरोप में इस साल का मार्च 0.26 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान के साथ सर्वाधिक गर्म महीना रहा है। सीसीसीएस के अनुसार मार्च महीने में वैश्विक तापमान पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि तापमान की चाल 1.5 डिग्री सेल्सियस के मानक को तोड़ने की कोशिश कर रहा। बीते 21 महीनों में से 20 महीनों में तापमान की चाल में सबसे अधिक तेजी देखी गई है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि तापमान में तेजी का स्तर इसी तरह जारी रहा तो मौसम का मिजाज और तीखा हो सकता है।

मौसम का अलग मिजाज

सीसीसीएस का संचालन करने वाले यूरोपीयन सेंटर फॉर मीडियम रेंज वेदर फॉरकास्ट की वैज्ञानिक सामंथा बर्गीज का कहना है कि यूरोप में इस बार मार्च के महीने में कई जगह सूखे के हालात रहे हैं। वहीं कई जगह मौसम सामान्य रहा। ऐसा नतीजा 47 साल में पहली बार दिखा है।

भारत में भी यही हाल

भारतीय मौसम विभाग ने भी हाल ही में कहा था कि वर्ष 1901 के बाद देश में मार्च का महीना अबतक का सबसे गर्म रहा है। मौसम विभाग ने अप्रैल से जून के लिए मौसम के पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा था कि देश के 17 राज्यों में इस बार लू का प्रकोप सामान्य से अधिक होगा।

ग्रीनहाउस गैसें बड़ी वजह

सीसीसीएस ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधन जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण है। वैज्ञानिकों ने स्पष्ट कहा है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्जर्सन में कटौती नहीं की गई तो तापमान के बढ़ते स्तर को रोक पाना मुश्किल होगा।

कहीं सूखा कहीं बाढ़

दुनियाभर में कहीं सूखा और कहीं बाढ़ के हालात हैं। जलवायु संकट सूखे और भारी वर्षा की बड़ी वजह बन रहा। गर्म हवा मिट्टी को तेजी के साथ सूखा रही है लेकिन उसमें नमी भी बरकरार है। ऐसे स्थिति में आंधी तूफान चलने पर उसका प्रभाव ज्यादा दिख रहा।

पवन कल्याण के काफिले से प्रभावित हुई परीक्षा, जांच के आदेश

यातायात प्रतिबंध से 30 छात्र नहीं पहुंच सके समय पर परीक्षा केंद्र

एजेंसी | विशाखापत्तनम

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के काफिले के कारण लगे यातायात प्रतिबंध से जेईई की परीक्षा में शामिल होने जा रहे करीब 30 छात्र प्रभावित हुए। सोमवार को विशाखापत्तनम में सामान्य यातायात को लंबे समय तक रोके जाने के चलते कई परीक्षार्थी तय समय पर परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सके और उन्हें प्रवेश नहीं मिला। मंगलवार को उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने इस पूरे मामले की जांच के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रशासनिक गतिविधि के कारण छात्रों की पढ़ाई या भविष्य प्रभावित नहीं होना चाहिए। कल्याण ने पुलिस को निर्देश दिया है कि वह यह जांच करें कि क्या काफिले के कारण यातायात प्रभावित हुआ और क्या वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था पर्याप्त थी। साथ ही परीक्षा केंद्रों के पास सड़क और सर्विस रोड की यातायात स्थिति की भी जांच की जाएगी।

पुलिस ने काफिले से इनकार किया संबंध

उधर, छात्रों के अभिभावकों के आरोपों के बावजूद पुलिस ने पवन कल्याण के काफिले से यातायात बाधित होने के किसी भी संबंध से इनकार किया है। पुलिस का कहना है कि यातायात व्यवस्था सामान्य थी। परीक्षा में शामिल न हो पाने से निराश छात्रों और उनके परिवारों ने इस मामले में प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए नाराजगी जताई है।